माघ माह , कृष्ण पक्ष 21 वर्ष, अंक 18 पृष्ठ 8 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार 10 फरवरी 2022 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

यूपी में वोटिंग से पहले पीएम मोदी का दावा

पांचों राज्यों में बनेगी भाजपा सरकार

प्रधानमंत्री बोले- जनता ने हमारे काम को देखा है, उत्तर प्रदेश समेत पांचों राज्यों में भाजपा की सरकार बनेगी

नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में वोटिंग से 12 घंटे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी समेत पांच राज्यों में जीत का दावा किया है। पीएम ने बुधवार को के साथ बातचीत में कहा- मैं इस चुनाव में सभी राज्यों में देख रहा हूं कि भाजपा के प्रति लहर है। हम पांचों राज्यों में भारी बहुमत से जीतेंगे। हमें सेवा का मौका इन सभी 5 राज्यों की जनता देगी। जिन राज्यों ने हमें सेवा का मौका मिला है उन्होंने हमें परखा है, हमारे काम को देखा है।

भारतीय जनता पार्टी हार-हार कर ही जीतने लगी है: पीएम मोदी ने भाजपा के पुराने दिनों को भी याद किया, जब पार्टी के पास जीत नसीब नहीं थी। पीएम ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी हार-हार कर ही जीतने लगी है। हमने बहुत पराजय देखे हैं, जमानत जब्त होती देखी हैं। एक बार जनसंघ के समय चुनाव हारने पर भी मिठाई बांटी जा रही थी, तो हमने पूछा की हारने पर मिठाई क्यों बांट रहे हैं? तब बताया गया कि हमारे तीन लोगों की जमानत बच गई।

राहुल गांधी बात-बात पर संसद छोड़ देते हैं: नेहरू परिवार को लेकर दिए गए बयान को लेकर पीएम ने कहा कि मैंने किसी के दादा जी, नाना जी, नानी जी के लिए कोई बयान नहीं दिए। मैंने उस समय के पीएम के बयान का जिक्र किया था। पीएम मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो सुनता ही नहीं उसे मैं कैसे जवाब दूं, वो बात-बात पर संसद छोड़ देता है। वंशवाद की राजनीति लोकतंत्र की सबसे बड़ी दुश्मन है। नकली समाजवादी का मतलब 'परिवारवाद' है।

परिवारवाद लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन: प्रधानमंत्री ने चुनावी रैली के दौरान उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को 'झूठे समाजवादी' बताए जाने के अपने बयान पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, एक परिवार के कई लोग जनता के बीच जाते हैं। पिता जी बेकार हो गए तो बेटा अध्यक्ष बने, बेटा बेकार हो जाए तो उसका बेटा आ जाए, भाई आ जाए। आप बिहार देखिए, झारखंड देखिए, उत्तर प्रदेश देखिए, तमिलनाडु जाइए, सभी जगह परिवारों की पार्टियां हैं। एक परिवार के दो लोग सांसद बन जाएं तो वो परिवार की सत्ता नहीं हो जाएगी। परिवारवाद लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन है। जब परिवार ही सर्वोच्च प्राथमिकता है। देश बचे या न बचे परिवार बचे तो कैसे चलेगा।

जब बेटा ही अध्यक्ष बनेगा तो असली राजनीतिक टैलेंट का क्या होगा: जब बेटा कैसा भी हो, लेकिन वही अध्यक्ष बनेगा तो ऐसे में असली राजनीतिक टेलेंट का क्या होगा। उत्तर प्रदेश की जनता पहले ही हर बार पार्टी बदलने वाली नीति को नकार चुकी है तो इस बार क्यों इस पर चलेगी। भारतीय जनता पार्टी का मंत्र है, सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास। हम इसी भावना से काम करते हैं। हमें समाज के दबे-पिछड़े वर्ग की चिंता क्यों नहीं करना चाहिए। हम जनता के कल्याण पर फोकस करते हैं।

'योजनाएं सब बनाते हैं, भाजपा अमलीजामा पहनाती है'

अखिलेश यादव के बयान यूपी में योजनाएं भाजपा की नहीं हैं, भाजपा अमलीजामा पहनाती है पर पीएम मोदी ने कहा कि देश में एक कल्चर चला है, राजनेता बोलते रहते हैं कि हम ये करेंगे, वो करेंगे। 50 साल बाद भी कोई अगर वो काम कर देगा तो कहेंगे कि हमने ये उस समय कहा था, ऐसे लोग बहुत मिल जाएंगे।

अखिलेश यादव पर किया तंज

यूपी के पॉलिटिक्स पर बोलते हुए पीएम ने कहा कि हमने पहले भी दो लड़को का खेल देखा है। वे इतने उदंड थे कि 'गुजरात के गधे' जैसे शब्दों का प्रयोग करते थे। यूपी ने उन्हें सबक सिखाया है। बाद में उनके साथ बुआ जी भी शामिल हुईं, फिर भी वे हार गए।

लखीमपुर खीरी मामले पर भी जवाब दिया

पीएम मोदी ने लखीमपुर खीरी मामले पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट जो कमेटी बनाना चाहती थी, राज्य सरकार ने सहमति दी। जिस जज के नेतृत्व में जांच चाहती थी सरकार ने सहमति दी। राज्य सरकार पारदर्शिता के साथ काम कर रही है तभी सुप्रीम कोर्ट की इच्छा के अनुसार सारे निर्णय करती है।

देश की शक्ति को उभारना हमारा कामः पीएम ने विदेश नीति पर भी बता की। उन्होंने कहा कि मैं चीन के राष्ट्रपति को तमिलनाडु ले गया, फ्रांस के राष्ट्रपति को यूपी ले गया, जर्मन चांसलर को कर्नाटक ले गया। देश की शक्ति को उभारना, हर राज्य को प्रोत्साहन देना हमारा काम है। यूएन में मैं तमिल में बोलता हूं दुनिया को गर्व होता है कि भारत के पास दुनिया की सबसे पुरानी भाषा है।

26 अप्रैल से शुरू होगी सीबीएसई टर्म- 2 परीक्षा

नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से दसवीं और बारहवीं बोर्ड की टर्म-2 परीक्षाओं की तारीख जारी कर दी गई है। बोर्ड ने आधिकारिक नोटिस जारी करते हुए बताया है कि टर्म 2 परीक्षाएं 26 अप्रैल, 2022 से शुरू होंगी। बोर्ड का यह नोटिस आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। छात्र यहां जाकर नोटिस को पढ़ सकते हैं और आगे की जरूरत के लिए डाउनलोड भी कर सकते हैं। बोर्ड ने कहा है कि परीक्षा की तारीखों का विस्तृत शेड्यूल जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट

पर जारी किया जाएगा। छात्र अधिक जानकारी और नए अपडेट के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर नजर बना कर रखें।

सीबीएसई ने जारी की जानकारी: सीबीएसई ने बताया कि कोरोना महामारी के प्रकोप को ध्यान में रखते हुए इस साल 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं दो सत्र टर्म-1 और टर्म-2 में आयोजित की जा रही हैं। टर्म-1 परीक्षा का आयोजन हाल ही में पूरा कर लिया गया है। बोर्ड ने विचार-विमर्श और देश में कोरोना महामारी की स्थिति देखने के बाद टर्म-2 परीक्षाओं का आयोजन ऑफलाइन मोड में आयोजित करने का फैसला किया है।

उप्र में प्रथम चरण का मतदान आज 11 जिले की 58 सीटों पर पड़ेंगे वोट

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में 18वीं विधानसभा के लिए हो रहे चुनाव में प्रथम चरण के 11 जिलों की 58 सीटों पर गुरुवार को मतदान होगा। प्रथम चरण में 73 महिला प्रत्याशी समेत कुल 623 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। प्रथम चरण में सर्वाधिक 15-15 उम्मीदवार मथुरा और मुजफ्फरनगर सीट से मैदान में हैं। वहीं सबसे कम पांच उम्मीदवार अलीगढ़ की इगलास सीट पर हैं। पश्चिम उप्र के 2.28 करोड़ मतदाता इन सभी उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। प्रदेश के मुख्य

निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बुधवार को बताया कि गुरुवार को सुबह 07 बजे से सायं 06 बजे तक कड़ी सुरक्षा के बीच प्रथम चरण का मतदान होगा। प्रथम चरण की कुल 58 में से नौ सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए पुलिस ने भी अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

संसद में उठा गंगा नदी की बदहाली का मुद्दा

नई दिल्ली: राज्यसभा में बुधवार को गंगा नदी की बदहाली का मुद्दा जोरशोर से उठा। कांग्रेस के कुमार केतकर ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय गंगा परियोजना के तहत गंगा नदी को पूरी तरह स्वच्छ करने का वादा किया था, किंतु अभी भी इसकी स्थिति में सुधार नही हुआ है। सदन में शून्यकाल की कार्यवाही के दौरान केतकर ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि गंगा नदी को स्वच्छ बनाने के लिए गठित संस्था के अध्यक्ष स्वयं प्रधानमंत्री है।

पिछले पांच सालों में 1898 एनजीओ के एफसीआरए पंजीकरण रद्द

नई दिल्ली

पिछले पांच सालों में 1898 गैर सरकारी संगठन(एनजीओ) के विदेशी अनुदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत दिए जाने वाले पंजीकरण रद्द किए गए हैं। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में पूछे गए एक लिखित प्रश्न के उत्तर में दी। राय ने बताया कि 2017 से 2021 के बीच 1898 एनजीओ का पंजीकरण 2010 के एफसीआरए प्रावधानों के उल्लंघन के चलते किया गया है। इस संबंध में कोई आवेदन प्राप्त होने पर विचार किया जाता है और कानून के अनुरूप निर्णय लिया जाता है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि सरकार ने पंजीकरण रद्द किए जाने से प्रभावित हुए मानवीय कार्यों का कोई अध्ययन नहीं किया। एफसीआरए पंजीकृत एनजीओ पहले की ही तरह काम कर रहे हैं।

ट्विन टावर ध्वस्तीकरण: 22 मई को गिराई जाएगी इमारत

नोएडा

सेक्टर 93-ए स्थित ट्विन टावर को ध्वस्त किए जाने की तारीख का एलान हो गया है। ट्विन टावर को 22 मई को ध्वस्त कर दिया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी की ओर से बुलाई गई बैठक में कार्य योजना तय की गई है। सुप्रीम कोर्ट के ध्वस्तीकरण के आदेश से पहले ही प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रितु माहेश्वरी ने इस मामले में बुधवार को सभी संबंधित विभागों की बैठक बुलाई। सुपरटेक ने भी इमारत ध्वस्त करने वाली मुंबई की कंपनी एडिफिस को 70

लाख रुपये का चेक एडवांस पेमेंट के रूप में दिया है। कंपनी का कहना है कि चेक क्लियर होने के बाद काम शुरू कर दिया जाएगा।

मलबा देकर भी बिल्डर को देने होंगे 4.20 करोड़: सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि ट्विन टावर को तोड़ने में जो भी खर्च आएगा, उसे भी बिल्डर कंपनी को ही वहन करना होगा। पता चला है कि दोनों टावर तोड़ने के लिए मुंबई की एडिफिस एजेंसी करीब 17.55 करोड़ रुपये सुपरटेक बिल्डर से लेगी। इसमें करीब 13.35 करोड़ रुपये का मलबा निकलेगा। ऐसे में बिल्डर कंपनी एडिफिस को करीब 4.20 करोड़ रुपये का भी भुगतान करेगी।

100 करोड़ से ज्यादा का बीमा कराएगी एडिफिस: अवैध करार दिए जा चुके ट्विन टावर को ध्वस्त करने के लिए मुंबई की एडिफिस कंपनी से बिल्डर कंपनी से करार किया है। विस्फोटक लगाकर इमारत को गिराया जाएगा। इस दौरान जोखिम की आशंका भी एक पहलू है।

कार्ति चिदंबरम को मिली विदेश जाने की अनुमति

नई दिल्ली: दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आईएनएक्स मीडिया डील और एयरसेल मैक्सिस डील मामले के आरोपित और पी चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदंबरम को विदेश जाने की अनुमति दे दी है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने कार्ति चिदंबरम को 10 फरवरी से 28 फरवरी तक विदेश जाने की अनुमति दे दी। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने कार्ति के विदेश जाने की अनुमति देने का विरोध किया था। सीबीआई ने कहा कि इस याचिका में सीबीआई को सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में न तो पक्षकार बनाया गया था और न ही उन्हें याचिका की प्रति उपलब्ध कराई गई थी। सीबीआई ने कहा कि कार्ति चिदंबरम को जब पिछली बार विदेश जाने की अनुमति दी गई थी तो उन्होंने अपने यात्रा के शेड्यूल में दो बार बदलाव किया। सीबीआई ने कहा कि दोनों ही मामलों में अभी जांच जारी है और आरोपित प्रभावशाली व्यक्ति हैं और वे दूसरे देशों से मांगी गई सूचनाओं को प्रभावित करने का काम कर सकते हैं।

मचा घमासान: हिजाब का बहाना, चुनाव पर निशाना

नई दिल्ली

यूपी विधानसभा चुनाव 2022 के पहले चरण में 10 फरवरी को होने वाले पहले चरण के मतदान से पहले कर्नाटक का हिजाब विवाद चरम पर है। बुधवार को इसमें देश-विदेश के दिग्गज नेता कूद पड़े। असदुद्दीन ओवैसी, प्रियंका गांधी, मलाला युसूफजई और तालिबान जहां हिजाब के पक्ष में खड़े नजर आए, वहीं यूपी के वरिष्ठ मंत्री केशव प्रसाद मौर्य, कर्नाटक के मंत्री सुनील कुमार और भाजपा विधायक रेणुकाचार्य ने पलटवार किए। ऐसे में जानना जरूरी है कि यह विवाद क्यों गरमा रहा है? और इसका सियासी मकसद क्या है?

पहले चरण की 58 सीटों पर नजर: दरअसल यूपी चुनाव के पहले चरण में

गुरुवार को 11 जिलों की 58 सीटों पर वोटिंग होगी। ये सभी जिले पश्चिमी यूपी के हैं। इनमें मेरठ, मथुरा, अलीगढ़, गौतम बुद्धनगर, हापुड़, बागपत, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर, शामली, गाजियाबाद और आगरा की 58 विधानसभा सीट शामिल हैं। इस इलाके में भाजपा, सपा, कांग्रेस व बसपा मुख्य मुकाबले में हैं। इन सीटों पर मुस्लिम वोटर भी बड़ी तादाद में हैं। यह इलाका संवेदनशील भी है। मुजफ्फरनगर दंगों की आंच में झुलस चुका है। तीन तलाक को अवैध करार देने से भाजपा व केंद्र सरकार द्वारा बटोरी गई मुस्लिम महिलाओं की सहानुभूति को भी कम करना इसका मकसद माना जा रहा है।

ओवैसी ने छेड़ा मुस्लिम राग: एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को उस हिजाब पहनी लड़की की जमकर तारीफ की जिसने कर्नाटक के कॉलेज में कुछ युवकों की नारेबाजी के बीच 'अल्लाहू अकबर' का नारा गूंजाया।

'610 कश्मीरी पंडित परिवारों को घाटी में वापस मिली उनकी जमीन'

नई दिल्ली: जम्मू कश्मीर सरकार ने पिछले 5 सालों में 610 प्रवासी कश्मीरी पंडित परिवारों को उनकी जमीन वापस दिलाई है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि जेएंडके माइग्रेंट इंप्रूवेबल प्रॉपर्टी (प्रिवेंशन, प्रोटेक्शन एंड रिस्टेंट ऑन डिस्ट्रेस सेल्स) एक्ट, 1997 के अंतर्गत जम्मू और कश्मीर में संबंधित जिलों के जिला मजिस्ट्रेट प्रवासियों की अचल संपत्तियों के कानूनी अभिरक्षक हैं। जिला मजिस्ट्रेट को संपत्तियों की संरक्षा और सुरक्षा हेतु कदम उठाने के अधिकार प्राप्त हैं। राय ने बताया कि सरकार ने कश्मीरी प्रवासियों के घाटी में पुनर्वास के लिए कई प्रयास किए हैं। कश्मीरी प्रवासियों के लिए प्रधानमंत्री के विकास पैकेज-2015 के अंतर्गत 1080 करोड रुपए के खर्च के साथ राज्य में तीन हजार सरकारी नौकरियां सृजित की गई है।

इसके तहत 1739 प्रवासियों की नियुक्ति की गई है और 1098 अतिरिक्त प्रवासियों का चयन किया गया है। इसके अलावा नियोजित कश्मीरी को आवास उपलब्ध कराने के लिए 920 करोड रुपए की अनुमानित लागत से कश्मीर घाटी में 6000 आवासों का निर्माण किया गया है। संपत्ति और सामुदायिक परिसंपत्तियों से जुड़ी शिकायतों का समाधान के लिए पोर्टल शुरू किया गया है।

खबर संक्षेप

गौशाला बना जुंए का अड्डा स्थानिय पुलिस मौन

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के दलापुर गाँव का मुसहा मजरा भले ही पुलिस रिकार्ड में अवैध जुआं और शराब के लिए प्रसिद्ध है किन्तु गाँव के सरकार की कमान जबसे बदली है तभी से अवैध जुआं का अड्डा भी बदल गया है. गाँव में निर्मित गौशाला इन दिनों जुये का अड्डा बनगया है। सरायइनायत थाना क्षेत्र के दलापुर मुसहां गांव मे होने वाली जुआं जनपद ही नहीं बलकी मण्डल के जुआरियों में चर्चित है। जबकी इस अड्डे के बारे मे थाने के साथ ही जनपद की पुलिस के रिकार्ड में भी दर्ज है। बताया जाता है कि इस गांव का गौशाला ही इन दिनों जुए का अड्डा बनगया है। सुबह से लेकर शाम तक जुआरियों की भीड़ इस गौशाला में लगी रहती है आस पास के जुआरियों के अतिरिक्त दूर दराज से भी जुआरी आकर जुआं खेलते हैं। प्रतिदिन लाखों रुपये की फड़ इस जुए के अड्डे पर सजती है। थाने की पुलिस भी जान बूझकर मौन बनी रहती है । देखना है कि जिले के नए कप्तान की दृष्टि इसक्षेत्र मे होरहे जुआं शराब तथा मिट्टी, बालू खनन जैसे तमाम अवैध कारोबार पर कब पडेगी और इनके उपर कब पुलिस की नकलेल लगेगी।

निर्वाचन के कार्यों में लापरवाही व शिथिलता कत्तई क्षम्य नहीं : जिला निर्वाचन अधिकारी

अखंड भारत संदेश

नामांकन कक्षों में चल रहे नाम निर्देशनों के जांच की कार्यवाही का जायजा लेते जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री

प्रयागराज। जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री बुधवार को नामांकन कक्षों में चल रहे नाम निर्देशनों के जांच की कार्यवाही का जायजा लिया। उन्होंने सभी रिटर्निंग अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों का अनुपालन करते कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने संगम सभागार के ऊपर स्थित कंट्रोल रूम तथा एम0सी0एम0सी0 कक्ष का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आ रही शिकायतों के निस्तारण तथा बनाये गये रजिस्टर आदि का भी निरीक्षण किया। एम0सी0एम0सी0 कक्ष का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने वहां पर न्यूज रजिस्टर, पेड न्यूज आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा पेड न्यूज इत्यादि का बारीकी से अनुपालन करने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर ए0डी0एम0 वित्त एवं राजस्व श्री जगदम्बा सिंह, ए0डी0एम0 प्रशासन श्री हर्षदेव पाण्डेय, मुख्य राजस्व अधिकारी सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खनन माफियाओं पर नहीं लग पा रहा पुलिस की नकेल

हनुमानगंज। प्रदेश सरकार भलेही पुलिस व्यवस्था को सुधारने के लिए कृत संकल्पित हो किन्तु थाने की पुलिस अवैध वसूली के चक्कर में सरकार की मंशा के विपरीत सारे अवैध कारोबार को हरी झंडी दे देती है।सरायइनायत थाना के हनुमानगंज चौकी क्षेत्र मे इन दिनों दर्जनों गांवों में अवैध मिट्टी खनन का कार्य धडल्ले से चलरहा है। प्रसाशन भले ही सारे अवैध कारोबार को विराम लगाने की दावा करती हो लेकिन थाने कि पुलिस सारे अवैध कारोबार को धडल्ले से करारही है । उक्त थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन, बालू खनन, अवैध शराब, जुआ के कारोबार कुटीर उद्योग का रुप ले चुके हैं। थाना क्षेत्र के ककरा उपरहार, पहाडीपुर, कोटवा, दुबावल, लीलापुर, लोढ़वा, यरना, सुदनीपुर खुर्द, देवरिया, विरना आदि दर्जनों गांवों में अवैध मिट्टी खनन का कारोबार चरम पर है। प्रतिदिन रोज आधी रात से सुबह 5 बजे तक गांव की लिंक मार्गों पर जेसीबी और टैक्टर गरजने लगते हैं जहां लोगों की नींद हराम हो रही है वहीं पिकट ड्युटी पर तैनात थाने कि 112 नम्बर पुलिस की जेब गरम होरही है। इन खनन माफियाओं को ना तो पुलिस का खौफ है ना ही क्षेत्र कि जनता का। क्षेत्र मे हो रहे तमाम गोरक धंधे की सूचना पुलिस को देने वाले लोगों को सुबह होते ही धमकी मिलने लगती है और पुलिस चुनाव मे ब्यस्तता बताकर अपना पलडा झाड़ लेती है।

न्यूज झरोखा

मतदान के प्रति जागरूकता होना बहुत ही आवश्यक : सुकुंती सचान

जसरा। मतदान दुनियाँ के बड़े एवम प्रमुख दान मे से एक हैं। मतदान से ही मजबूत सरकार का निर्माण होता हैं जिससे समाज एवम राष्ट्र का विविध विकास तय किये जाते हैं उक्त बातें राजकीय बालिका इंटर कालेज मे मतदाता जागरूकता अभियान एवम शपथ के दौरान प्रधानाचार्या सुकुंती सचान ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुई बोल रहीं थी इस अवसर पर उन्होंने प्रलोभन, शराब,भय आदि से ऊपर उठकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया आगे उन्होंने यह भी कहा कि मतदान की ताकत देश के निर्माण मे आधार स्तम्भ होता हैं।बिना किसी भय के सही प्रतिनिधि का चुनाव करना चाहिए जिससे विभिन्न प्रकार के सामजिक विकास होते हैं।शिक्षित एवम जमीन से जुड़े लोगों को मतदान करने की भी अपील किया गया। इस अवसर पर गीता पाण्डेय, कीर्ति अवस्थी, शाफीया अल्वी, शगुफ्ता जमाल, ममता शर्मा, रेनू यादव, नीलम गुप्ता, सुनीता मालवीया, नीता मालवीया आदि शिक्षिकाओं ने भी उपस्थित छात्राओं से समाज के लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर अर्चिता, खुशी केशरवानी,शिखा मिश्रा, अनीता पटेल समेत विद्यालय की अन्य छात्राएं मौजूद रहीं।

योगेश शुक्ला भाजपा में हुए शामिल लड़ चुके हैं लोकसभा का चुनाव

मेजा रोड। 2019 में कांग्रेस के टिकट पर इलाहाबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुके योगेश शुक्ला ने मंगलवार को लखनऊ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के संगठन महामंत्री सुनील बंसल की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। योगेश शुक्ला ने बताया कि मंगलवार को उन्होंने शाह और बंसल की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ली।उन्होंने कहा, राष्ट्रीय मूल्यों, सांस्कृतिक विरासत और व्यापक जन सरोकार जैसे जिन मुद्दों को लेकर मैं राजनीति में हूं, उन्हें आगे ले जाने के लिए मैं 2019 से काम कर रहा हूं। लेकिन कांग्रेस के अपनी जड़ों की ओर लौटने के कोई आसार नहीं दिखने की वजह से मैंने कांग्रेस छोड़कर पुनः भाजपा में लौटने का निर्णय किया।योगेश शुक्ला ने इससे पूर्व 2009 में भाजपा के टिकट पर इलाहाबाद संसदीय सीट से चुनाव लड़ा था और समाजवादी पार्टी के नेता रेवती रमण सिंह से हार गए थे। शुक्ला 2002 से 2004 तक राष्ट्रीय युवा आयोग के सदस्य रहे और 2007 से 2010 तक भाजपा बौद्धिक प्रकोष्ठ के सह संयोजक रहे। वह 2010 से 2016 तक पार्टी के पंचायत प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक रहे।

भागवत कथा मोक्षदायिनी है कथा : विद्याधर शास्त्री मधुप

श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा सप्ताह में कथा श्रवण करने के लिए जुट रही है भक्तजनों की भारी भीड़

मंच पर उपस्थित कथा वाचक व श्रोता जन

अखंड भारत संदेस

करछना। क्षेत्र के भड़ेवरा गांव में आयोजित सप्तदिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के तीसरे दिन बुधवार को व्यासपीठ पर विराजमान कथा व्यास पं0विद्याधर त्रिपाठी शास्त्री मधुप महराज ने अजामिल,वित्तासुर चरित्र नरसिंह अवतार एवं जड भरत की कथा सुनाते हुए भक्तजनों को आह्लादित कर दिया।कथा व्यास ने बताया कि अपने भक्त की रक्षा के लिए भगवान को नरसिंह रूप धारण करना पड़ा और राक्षसी आचरण के जुड़ा महा प्रतापी हिरणाकश?प भी उनके हाथों मृत्यु को प्राप्त हो मोक्ष गति को प्राप्त हुआ।कथा व्यास ने बताया कि बिना किसी निःस्वार्थ भाव के ईश्वर में रम जाने और साधना के चलते उनकी शरण में सबकुछ समर्पित कर देने के बाद सच्ची हरिकृपा प्राप्त होती है ।और भगवान अपने भक्त का उद्धार करते है।इस दौरान प्रस्तुत भजन और संकीर्तन सुनकर श्रोता भक्तिरस में झूमते रहे।इसके पूर्व कथा श्रवण कर रही मुख्य यजमान ललिता देवी ने कथाव्यास का माल्यार्पण कर स्वागत व अभिनंदन किया । आयोजक व संयोजक राम बल्लभ ओझा प्रभा कांत ओझा कृष्ण बल्लभ ओझा व व्यवस्थापक सोनू ओझा ने सभी के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया।इस मौके पर देवी शंकर द्विवेदी बबलू त्रिपाठी त्रिलोकीनाथ अग्निहोत्री पवन कुमार मिश्रा उमाकांत तिवारी सुभाष चंद्र मिश्रा रामेश्वर द्विवेदी छोहारी द्विवेदी मदन लाल तिवारी शीतला प्रसाद तिवारी राजेश पांडेय शिवराम विजय कुमार देव प्रभाकर पंकज कुमार नीरज कुमार सत्यम ओझा गौरव सौरभ सागर उज्जवल शिवम के सहित भारी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

एटीएम मशीन से धोखाधड़ी करने वाले गैंग के 3 अभियुक्त चढ़े पुलिस के हत्थे

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज अजय कुमार द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव में 2021 को सकुशल संपन्न कराने व वांछित अभियुक्तों के गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी मेजा अमिता सिंह के पर्यवेक्षण में थाना अध्यक्ष मांडा महेश मिश्रा के कुशल नेतृत्व में उप निरीक्षक आशीष कुमार राय व उनकी पुलिस टीम द्वारा एटीएम मशीन से लोगो को बेवकूफ बनाकर धोखाधड़ी कर पैसे निकालने वाले गैंग के तीन नगर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर और एक अदद 315 बोर कारतूस एवम् बीस हजार पाचासौ नगद के साथ तीन अभियुक्त सुभम यादव पुत्र मानिक चन्द्र यादव , राहुल गौतम पुत्र कमलेश गौतम व विवेक तिवारी पुत्रे राधे श्याम तिवारी निवासी हंडिया को मुकदमा अपराध संख्या 43/22 धारा 3/25 आर्स एक्ट के तहत किया गया गिरफ्तार।

सपा कांग्रेस भाजपा शिव सेना ने उतारे कोल जाति के प्रत्यासी तो बसपा ने चमार व जनाधिकार पार्टी ने धूरिया को

कोरांव विधान सभा :सपा और भाजपा में अंदरूनी कलह,कांग्रेस,बसपा के रास्ते अलग,आरती देवी कोल ने शिव सेना का लिया सहारा,भाजपा ने किया बेसहारा,रामकृपाल को भी सपा ने दिया झटका

राजमानिकोल | रामकृपाल कोल | राजबली जैसल | रामदेव निडर कोल | आरती देवी कोल | अशोक धूरिया

शहजादे

कोरांव। प्रयागराज के कोरांव विधान सभा के सुरक्षित सीट पर प्रत्यासियों ने चुनावी जंग ए मैदान में विधायक कुर्सी के लिए ताल ठोंकी ठोंका कर लिए हैं। इस सीट पर जंग ऐसी छिड़ी है कि निवर्तमान विधायक भाजपा राज मणि कोल का टिकट ही काट दिया गया था। जंग को अंजाम देने के लिए विधायक भाजपा ने टिकट कट जाने से सारी शक्तियां लगा कर श्रीमती आरती देवी कोल को मिले टिकट को बड़े नाटकीय तरीके से पैदल करते हुए टिकट ही कटा दिया। और पुनः टिकट प्राप्त करने में कामयाब हो गए। वहीं आरती कोल ने अपना अपमान का घूंट पी कर बे आबरू हो के सीधे शिव सेना के बैनर तले चुनाव मैदान में कूद गई। उधर सपा में रहे पूर्व विधायक रामकृपाल कोल को पूरी आशा थी कि सपा उन्हे विधायक उम्मीदवार बनाएगी किंतु उन्हें भी झटका मिला तो घर वापिसी कर कांग्रेस का दामन थामा और कांग्रेस ने टिकट भी थमा दिया। सपा ने पुराने कार्यकर्ता राम देव निडर कोल को मैदान में उतार दिया।उधर जन अधिकार पार्टी ने अशोक धूरिया को टिकट दे दिया। पूर्व विधायक राजबली जैसल को बसपा ने इस बार भी अपना उम्मीदवार उतार दिया है। जिससे जंग बड़ी रोचक हो गई है। राजनैतिक दलों में कोल बाहुल्य सीट पर कोलो को ही अपना उम्मीदवार उतार दिया है। बचे राजबली जैसल और अशोक धुरिया गैर कोल बिरादरी जो चमार जाति से हैं,उनकी भी जंग चर्चे में आने लगी है। जिन लोगों को यह उम्मीद थी कि भाजपा इस बार गैर कोल बिरादरी को टिकट देगी उनके अरमान आंसुओं में बह गए। उधर आरती कोल का टिकट कटने और उनके आंसुओं का बहना उनके समर्थक और खास तौर से महिलाएं काफी दुखी दिख रही हैं। इसी तरह रामकृपाल कोल पूर्व विधायक को सपा से टिकट न मिलना उनके समर्थक काफी अक्रोशित हैं। वहीं राम देव निडर सपा प्रत्यासी के समर्थक कुल मिला कर सिर्फ अखिलेश यादव और साइकिल का चिन्ह देख कर उक्त लहर को भुनाने की अपील करते देखे जा रहे हैं। राजबली जैसल बीएसपी प्रत्याशी को अब अपने बिरादरी और अन्य जातियों खास तौर से ब्राह्मण वर्ग को अपनाने का भरोसा है। लड़ाई तो चतुर कोणीय हो गई है। कोल बाहुल्य बिरादरी को अब ये दिख रहा है कि कोलो को अनुसूचित जन जाति का दर्जा कौन पार्टी दिलाएगी। क्योंकि भाजपा केंद्र और प्रांत दोनो में सत्ता में रहते हुए दर्जा नहीं दिया। अब किसान,बेरोजगार,मजलूम,श्रमिक,महिलाएं ही उम्मीदवारों के भाग्य का पिटारा खोलेंगे। वक्त आ गया है नेताओं के दरवाजे वोटर फरियादी जा जा कर नतमस्तक होते रहे लेकिन अब नेता प्रत्यासी ही खुद वोटर के चौखट पर गिरगिराने का कार्य कर रहे हैं। क्योंकि वक्त का हर सै गुलाम होता है। फिलहाल श्रीमती आरती कोल के टिकट कटने से काफी महिलाएं सुधा कोल के नेतृत्व में भाजपा के केंद्रीय चुनाव कर्यालय पर बवाल काटा,और सरकार के महिला सशक्तिकरण अभियान पर उंगलियां उठाई,नाराजगी जताई और वर्तमान विधायक का विरोध किया। कुछ भी हो पार्टी का हुक्म नेताओं कार्यकताओं को तो मानना ही होगा,चाहे जो भी पार्टी हो। व्यक्तिगत विरोध तो हर दल में होता रहा है। कोरांव विधान सभा में कुल वोटर पुरुष वर्ग 189222हैं। तथा महिला वर्ग में कुल 161324 लगभग हैं। जिसमें अकेले कुल तकरीबन कोल 80 हजार हैं। और ब्राह्मण 75 हजार, कुर्मी 50 हजार , मोर्या कुशवाहा, बिहारी, 45 हजार के करीब तथा पाल, मुस्लिम सहित अन्य वर्ग के करीब 25 हजार वोटर बताए जा रहे हैं। जो 27 फरवरी को उक्त उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगें। कभी कमुनिष्ट का दबदबा रहे यहां पर भाजपा ने सेंधमारी की थी। कोरांव में खाश तौर से मुख्य मुद्दा बिजली अनियमितता, पेयजल संकट,उच्च शिक्षा, मंहगाई, भ्रष्ट्राचार, छुट्टा जानवर, तहसील और थानों पर अफसरों की मनमानी रिश्वत खोरी आदि समस्याएं ज्यादा हैं। इस सीट पर कोलो के मतो का यदि विभाजन हुआ तो बीएसपी को लाभ मिल सकता है। भाजपा अपनी टक्कर सपा से तो बसपा सपा से तो सपा बीएसपी से कांग्रेस भाजपा से अपनी अपनी जंग मन रहे हैं। कुछ तो सीधे सपा बसपा की लड़ाई मांन रहे हैं। किंतु भाजपा अपनी जीत सुनिश्चित मांन रही है। हर पार्टी में हर जाति के लोग हैं ऐसी स्थिति में ऊंट किस और करवट लेगी कौन जीतेगा यह तो वोटर्स फैसला करेंगें। और प्रत्यासी अभी से अपनी अपनी जीत मांन कर चल रहे हैं। वहीं मतदाता भी सभी को जीता रहे हैं।

भाजपा नेता नंदलाल पटेल ने थामा सपा का दामन....

कोरांव। बुधवार को कोरांव विधानसभा जिला पंचायत सदस्य वार्ड नं 69 नंदलाल पटेल ने समाजवादी बिचार धारा से प्रभावित होकर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष योगेश यादव राममिलन यादवटछू मान सिंह यादव जिला सचिव योझा यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की जिला अध्यक्ष ने संगठन में बड़ी जिम्मेदारी देते हुए जिला उपाध्यक्ष बनाया सदस्यता के बाद उन्होंने कहा कि जिस तरह पिक्षडा समाज के साथ दलित समाज की वोट लेने के बाद सरकार बनाने के बाद हेय दृष्टि से देखा जाता है यहां तक कि एक ही टक्कर के नेता लेकिन पीक्षडा समाज के होने के कारण स्टूल दी जाती है संबिधान में भी छेड़छाड़ की जा रही है प्रजातंत्र की रक्षा के लिए समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी जिताना जरुरी है जिससे पिक्षडो के नेता समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाया जा सके कोरांव विधानसभा अध्यक्ष ओमप्रकाश कूशवाहा जिला सचिव एवं जिला पंचायत सदस्य सोमदत्त सिंह पटेल नौशाद अंशारी पवन सोनकर पूजा मिश्रा किसान नेता जिला सचिव राजेश पांडेय ने बधाई देते हुए कहा कि इस कदम से कोरांव विधानसभा के अलावा अन्य बिधान सभाओं में भी सपा प्रत्याशी को मजबूती मिलेगी।

सुरक्षित सीट बारा से 18 प्रत्याशी मैदान में

सपा, बसपा, कांग्रेस, अपना दल (एस) संग क्षेत्रीय पार्टियां भी चुनाव मैदान में नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद अब चुनाव प्रचार पर दिख रहा सारा जोर

आलोक गुप्ता

शंकरगढ़। यमुनापार की सुरक्षित सीट विधानसभा बारा से कुल 18 प्रत्याशी चुनाव मैदान में आमने-सामने आ गए हैं। इसमें समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, भाजपा के सहयोगी दल अपना दल (एस) और कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों के प्रत्याशी शामिल हैं। सभी प्रत्याशियों ने नामांकन में पूरे दमखम के साथ जोर दिखाया। भारी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ पार्टी कार्यकताओं ने भी उत्साह बढ़ाया।

मंगलवार को विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन का आखिरी दिन था।आज के बाद विधानसभा में प्रत्याशियों की स्थिति लगभग साफ हो जाएगी। इसके बाद नाम वापसी का मौका रहेगा, पर प्रमुख पार्टियों में इसकी गुंजाइश काफी कम है। नामांकन के बाद सभी प्रत्याशी अपने-अपने चुनाव प्रचार में जुट गए हैं।

विधानसभा बारा से बसपा के सिंबल पर डा. अजय कुमार चुनाव मैदान में हैं। डा. अजय कुमार एक पखवारा पहले भाजपा में थे। पर टिकट कटने की आशंका को देखते हुए उन्होंने समय रहते इस्तीफा देकर बसपा का दामन थाम लिया।

इसके अलावा समाजवादी पार्टी से अजय कुमार उर्फ मुन्ना ने पर्चा दाखिल किया है। अजय कुमार (मुन्ना)पुराने समाजवादी हैं। इसके पहले भी वह विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा चुके हैं। इन सबके मुकाबले में मौजूदा सत्ताधारी दल ने अपने सहयोगी अपना दल (एस) के प्रत्याशी वाचस्पति को मैदान में उतारा है।भाजपा-अद (एस) प्रत्याशी वाचस्पति की कर्मभूमि मूलरूप से कौशांबी है। अब देखना यह होगा कि बारा विधानसभा की जनता वाचस्पति को किस तरह से देखती और पसंद करती है। वाचस्पति के अलावा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से अयोध्या प्रसाद और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक से रितेश राणा ने नामांकन किया है। इन सबके बीच कांग्रेस से मंजू संत भी ताल ठोंक रही हैं। विधानसभा बारा 2007 तक सामान्य सीट रही। इसके पहले यहां पर भाजपा,समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का कब्जा रहा। इसके अलावा विधान सभा की सुरक्षित सीट से आम आदमी पार्टी से कन्हैया लाल, भाकपा (भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी) अयोध्या प्रसाद, राष्ट्रीय जन समर्थन पार्टी से अजीत भाष्कर, कमेरा समाज पार्टी आशा देवी, अखिल भारतीय सोशल पार्टी से सुमित्रा वरुण, पीपुल्स पार्टी आफ इंडिया डेमोक्रेटिक से रामकुमार विद्यार्थी, जन अधिकार पार्टी से अवनीश, जन कल्याण पार्टी से रविता देवी के अलावा निर्दल के रूप में विवेक कुमार, राजेंद्र कुमार, शिवमोहन, मुन्नालाल, कौशिल्या ने नामांकन किया है।

प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र का चहुंमुखी विकास यही मेरा लक्ष्य : इंजीनियर घनश्याम पांडेय

प्रतापपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क करते हुए बसपा प्रत्याशी इंजीनियर घनश्याम पांडेय ने लोगों को भरोसा दिलाया कि मै आपके परिवार का हूं बाहरी नहीं हूं क्षेत्र का विकास बिना किसी भेदभाव के करूँगा क्योंकि जनप्रतिनिधि सबका होता है चुनाव जीतने के बाद प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र एक आदर्श विधानसभा के रुप में स्थापित करूँगा यह मेरा आप लोगो से वादा है आप लोगो के लिए 24 घंटे उपलब्ध हूँ। बसपा मुखिया मायावती को मुख्यमंत्री बनाने के लिए आप लोग मतदान करें ताकि गुंडे माफिया एवं अपराधी प्रतापपुर को लूट न पायें।विभिन्न स्थानों पर जनसंपर्क के दौरान सरोज दुबे, नागेंद्र प्रताप सिंह, ब्रह्म तिवारी, सैयद शेख, विजयशंकर तिवारी, डिंपी पांडेय, विधानसभा अध्यक्ष अखिलेश गौतम, पिंटू मिश्रा प्रधान, निहाल पांडेय, आशीष पांडेय, विशाल मिश्रा, विकास यादव, इंदिल पांडेय, विपिन दुबे, श्रीराम पाल, दारा पाल, अरविंद सरोज, राकेश गौतम, संदीप सरोज, रमाकांत गौतम, जटाशंकर मिश्र, रामबाबू मिश्र, अशोक कुमार सरोज, शिव कुमार बिंद, प्यारेलाल, आशीष तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

किसान नवजवान विरोधी भाजपा सरकार : उज्जवल रमण

पप्पू प्रधान बारामार के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने भाजपा छोड़ सपा ज्वांइन किया

करछना। विधानसभा करछना क्षेत्र में सपा प्रत्याशी उज्वल रमण सिंह जन संपर्क के दौरान बुधवार को बरामार में भाजपा के खिलाफ बोलते हुए कहा कि किसान नवजवान विरोधी योगी-मोदी सरकार जिसनें जनता को सिर्फ ठगने का कार्य किया।युक्त बातें सपा प्रत्याशी करछना विधायक उज्जवल रमण सिंह ने भूपेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ पप्पू सिंह प्रधान बारामार चाका के नेतृत्व में सैकड़ों समर्थकों के साथ सपा ज्वाईन करने के कार्यक्रम में कहा उन्होंने कहा कि अच्छे दिन और रामराज्य के सपने टूटने से जनता मे डबल इंजन की भाजपा सरकार से बहुत रोष है जो वोट के रूप में जनता जबाब देगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की गलत नीतिओं और शोषण से से उबकर अधिकतर जमीनी कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधि भाजपा छोड़ कर सपा की जनप्रिय नीतियों मे आस्था व्यक्त कर रहे हैं। सपा पूर्व प्रदेश प्रवक्ता जिलाउपाध्यक्ष विनय कुशवाहा ने कहा कि मोदी का फ्री राशन अम्बानी का जियो जैसा हैं पहले फ्री फिर इनकमिंग भी बंद । प्रवक्ता ने कहा कि कहा कि योगी सरकार की सोच शराब की दुकान खोलेंगे और स्कूल बंद करेंगे पढ़ लिखकर लोग जबाब सवाल करेंगे अनपढ़ रह कर कावंड उठायेंगे।इसलिए जनता होशियार हो जाय नहीं तो गरीबों का जीना दूभर हो जायेगा । भाजपा छोड़कर सपा ज्वाईन करने वालों को विधायक उज्जवल रमण सिंह ने माला पहना कर पार्टी में स्वागत किया ज्वाईन करने वालों में बारामार प्रधान पप्पू सिंह,चेतन सिंह प्रधान चम्पतपुर, मण्डल उपाध्यक्ष विनोद सिंह, राजबहादुर पटेल बीडीसी,पंकज सिंह बीडीसी,राघवेंद्र सिंह राजू बीडीसी,दरिआव सिंह, राधे मोहन पटेल, पुष्पराज सिंह, अरविंद सिंह पटेल, कुवंर सिंह, मानिक सिंह पटेल, हरिभान सिंह पटेल,राम कैलाश सिंह पटेल, प्रदीप भारतीय, संजय पाल आदि लोगों के साथ सैकड़ों लोगों ने ज्वाईन किया। इसके पूर्व छिवकी में भागीदारी पार्टी पी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद्र प्रजापति ने अपने संगठन पदाधिकारियों के साथ बैठक कर करछना से सपा प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह को भारी मतों से जिताने का आवहान किया प्रोग्राम के संयोजक संचालन कीर्ति प्रकाश द्विवेदी ने किया।

खबर संक्षेप

मध्य प्रदेश के युवक ने होटल में फांसी लगाई

प्रयागराज। मध्य प्रदेश से आकर स्टेशन के सामने होटल में रुके युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। बुधवार को शाहगंज पुलिस ने सूचना मिलने पर विधिक कार्रवाई की। मृतक के परिजन भी पहुंच गए लेकिन वह भी आत्महत्या का कारण नहीं बता सके। पुलिस का कहना है कि मोबाइल की जांच से कुछ पता चल सकता है। पुलिस ने बताया कि मध्य प्रदेश के सतना जिले के बम्हरौली निवासी दिलीप सिंह 6 फरवरी को प्रयागराज आया था। उसने प्रयागराज जंक्शन के सामने स्थित शगुन राज में एक कमरा लिया था। कमरा नंबर 11 में रुका था। 7 तारीख को आखरी बार मैनेजर से उसकी बातचीत हुई थी। 8 की रात में जब बाहर निकला तो होटल कर्मचारियों को कुछ शक हुआ। उन्होंने खिड़की से देखा तो वह कमरे में फांसी पर लटका मिला।

आयकर आगणन विवरण बचत के साक्ष्यों के साथ कोषागार पेंशनर हों प्रस्तुत

प्रयागराज। आयकर की श्रेणी में आने वाले पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर 25 फरवरी तक अपना आयकर आगणन विवरण बचत के साक्ष्यों के साथ कलेक्टेट कोषागार में करें प्रस्तुत मुख्य कोषाधिकारी विवेक कुमार सिंह ने कलेक्टेट कोषागार के माध्यम से पेंशन प्राप्त करने वाले ऐसे समस्त आयकर की श्रेणी में आने वाले पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों को सूचित किया है कि वे अपना आयकर आगणन विवरण बचत के साक्ष्यों के साथ कोषागार में अनिवार्य रूप से दिनांक 25 फरवरी, 2022 तक अवश्य प्रस्तुत कर दें अन्यथा आयकर नियमों के अन्तर्गत होने वाली किसी भी प्रतिकूल कार्यवाही के लिए आप स्वयं उत्तदायी होंगे।

अरुण यादव बने सपा अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव

प्रयागराज। समाजवादी अधिवक्ता सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार यादव ने जार्ज टाउन निवासी अरुण यादव एडवोकेट को प्रदेश सचिव नामित किया है। वह दूसरी बार प्रदेश सचिव बने हैं और उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अपर शासकीय अधिवक्ता भी रहे हैं। सपा के पुराने कार्यकर्त्ता जाने जाते हैं। हंडिया विधानसभा क्षेत्र के बीरापुर गांव के मूल निवासी हैं। सपा के डिजिटल कार्यालय में फूल माला से स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में सर्व श्री रिपु सूदन यादव एडवोकेट, संत लाल वर्मा, दान बहादुर मधुर, दिनेश यादव, सै०मो० अस्करी,दिलीप यादव, शौर्य दीप सचिन श्रीवास्तव, नरेन्द्र पाल, विक्रम यादव, अरविन्द वर्मा,आर. डी. विश्वकर्मा आशीष पाल, नन्द लाल यादव, आर. एन. यादव, राजेंद्र यादव, जय सिंह, युवराज सिंह आदि रहे।

मानव स्वरूप अनंत ब्रह्मांड का सूक्ष्म रूप : स्वामी श्री योगी सत्यम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र के त्रिवेणी रोड पुल नंबर दो के समीप स्थित क्रियायोग शिविर में क्रियायोग वैज्ञानिक स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने बुधवार को साधकों को बताया कि मानव स्वरूप में संपूर्ण ब्रह्मांड सूक्ष्म रुप में है ,ठीक उसी प्रकार समाहित है जिस प्रकार एक बीज में अनंत वृक्ष समाहित है,मानव स्वरूप अनंत ब्रह्मांड का सूक्ष्म रुप है। स्वरूप में दृश्य और अदृश्य जगत की संपूर्ण रचनाएं सूक्ष्म तरंगों के रूप में संपादित होती है। क्रियायोग गुरु ने यह भी बताया की क्रियायोग साधना के द्वारा स्वरूप में गहन एकाग्रता केंद्रित करके साधक स्वरूप में पूरे ब्रह्मांड की अनुभूत कर लेता है। स्वरूप को सीमित रूप में अनुभव करना ही माया है,इसे अज्ञान अविद्या कहा गया है ' क्रियायोग साधना से माया का लोप होने पर संपूर्ण रचनाओं के सर्वज्ञ,सर्वव्यापी ,सर्व शक्तिमान ,अनंत और अमर स्वरूप का साक्षात्कार होता है।

मेला शिविर में साधकों को शिक्षा देते स्वामी श्री योगी सत्यम

आज जारी होगा यूपी बोर्ड के परीक्षा केंद्रों की सूची

प्रयागराज। बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा केंद्रों की सूची गुरुवार को जारी होगी। हालांकि कई जिलों में आपत्तियों का निस्तारण किए बगैर सूची जारी होगी क्योंकि समय रहते जिला विद्यालय निरीक्षक स्तर से केंद्रों की सूची बोर्ड को उपलब्ध नहीं कराई जा सकी। ये स्थिति तब है जबकि विशेष सचिव शासन जय शंकर दुबे दो फरवरी को वर्चुअल समीक्षा बैठक के दौरान केंद्रों की सूची अपलोड न होने पर नाराजगी जता चुके हैं। 27 दिसंबर के शासनादेश में सभी डीआईओएस से जिले स्तर पर प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण करते हुए जिलाधिकारी से अनुमोदित केंद्रों की सूची 25 जनवरी तक अपलोड करने के आदेश दिए गए थे। यह सूची बोर्ड के पोर्टल पर उपलब्ध कराते हुए केंद्रों पर छात्र, अभिभावक, प्रधानाचार्य या प्रबंधक को दो फरवरी तक ऑनलाइन आपत्ति दर्ज कराने की सुविधा दी गई थी। लेकिन समयसीमा बीतने के बावजूद कौशाम्बी, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, चित्रकूट, फतेहपुर, आजमगढ़ और सोनभद्र आदि जिलों के डीआईओएस केंद्रों की सूची अपलोड नहीं कर सके थे। यही नहीं बुधवार की रात तक मैनपुरी और आजमगढ़ के केंद्र अपलोड नहीं हो सके जबकि शासनादेश के अनुसार आपत्तियों का निस्तारण करते हुए गुरुवार तक केंद्रों की सूची जारी होनी है। ऐसे में सवाल है जब इन जिलों ने समय से केंद्रों की सूची अपलोड नहीं की और उन पर आपत्तियां नहीं ली जा सकी तो जिले स्तर पर हुई मनमानी को कैसे रोका जा सकेगा। 2022 की 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा में 51 लाख से अधिक परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे।

तीन हजार से ज्यादा शस्त्रधारक लापता!

प्रयागराज। विधानसभा चुनाव की तैयारियों से संबंधित कार्य के दौरान एक चौंकने वाली बात सामने आई है। पता चला है कि तीन हजार से ज्यादा ऐसे शस्त्र लाइसेंसधारक हैं, जो लापता हैं। मौजूदा समय में वह कहां और किस हाल में हैं, इस संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। सत्यापन के दौरान यह जानकारी सामने आने के बाद से अफसर भी हैरत में हैं।विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पिछले कई दिनों से लाइसेंसी शस्त्र जमा कराए जाने का काम चल रहा है। इस संबंध में पूर्व में ही निर्देश जारी किए गए थे कि लाइसेंसी असलहों को थाने या शस्त्र की दुकान में जमा करा दिया जाए। जिन लोगों ने अपने शस्त्र अब तक नहीं जमा कराए, उन्हें नोटिस भी जारी किया गया। इसी के तहत पुलिसकर्मी लाइसेंसधारकों के घर पहुंचकर उनकी मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी भी जुटा रहे हैं। इसी दौरान चौंकाने वाली बात सामने आई। सूत्रों का कहना है कि अब तक तीन हजार से ज्यादा ऐसे लाइसेंसधारकों के नाम सामने आए हैं, जो फिलहाल लापता हैं। यह मौजूदा समय में कहां हैं और क्या कर रहे हैं, इस संबंध में कोई जानकारी फिलहाल नहीं मिल सकी है।लाइसेंसी शस्त्र जमा करने का काम भी पिछड़ा उधर लाइसेंसी असलहा जमा कराए जाने का काम भी अभी पिछड़ा है। अब तक 20 हजार शस्त्र ही जमा कराए जा सके हैं जबकि कुल असलहाधारकों की संख्या 33 हजार के आसपास है। जानकारों का कहना है कि तीन हजार असलहे ऐसे मान लिए जाएं, जिनका उपयोग सुरक्षा के लिए किया जा रहा है, यानी स्क्रीनिंग कमेटी से इन्हें छूट मिल भी जाए तो करीब 10 हजार असलहे जमा कराए जाने हैं। जबकि मतदान में अब सिर्फ 19 दिन ही शेष हैं। यह बात सही है कि ऐसे भी लाइसेंसधारकों के नाम सामने आए हैं, जो मौजूदा समय में जिले में नहीं हैं। लेकिन इनमें बाहर के जनपदों, राज्यों में नौकरी करने वाले भी शामिल हैं। इन्हें नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा शस्त्र जमा कराए जाने का काम भी तेजी से चल रहा है। **-सतीश चंद्र, एसपी क्राइम**

इमामबाड़े की पुनर्स्थापना के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सपा के शासनकाल में गिराए गए इमामबाड़े की पुनर्स्थापना के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। असर फाउंडेशन के अध्यक्ष सैयद शब्बीर शौकत आबिदी की ओर से दाखिल याचिका में मामले से जुड़े जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की मांग की गई है।याचिका में कोर्ट को बताया गया है कि वक्फ बोर्ड केतत्कालीन चेयरमैन वसीम रिजवी ने प्रयागराज के चौक स्थित इमामबाड़े को गिराकर वहां व्यावसायिक भवन बनवा दिए। इस पर उच्चस्तरीय कमेटी के जरिए जांच कराई गई। मामले में कई बड़े खुलासे हुए।जांच में पाया गया कि मेरठ वक्फ की संपत्ति को विजय माल्या को बेचकर शराब फैक्ट्री लगवाई गई। मामले में वक्फ मंत्री से लेकर चेयरमैन तक पर एफआईआर दर्ज है। इस मामले की जांच सीबीसीआईडी कर रही है। सियासी रसूखदारी की वजह से जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई।धर्मगुरुओं व समुदाय के विरोध पर जांच के बाद व्यावसायिक भवन गिरवा दिए गए, लेकिन 200 साल पुराने इमामबाड़े की पुनर्स्थापना नहीं कराई गई। याची ने कोर्ट के समक्ष इमामबाड़े की पुनर्स्थापना और मामले में दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

आपराधिक घटना की निष्पक्ष जांच कराने में मजिस्ट्रेट सक्षम

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बार फिर सीआरपीसी की धारा 156 (3) को परिभाषित करते हुए कहा है कि आपराधिक घटना की निष्पक्ष जांच कराने के लिए न्यायिक मजिस्ट्रेट को पूरा अधिकार है। वह निष्पक्ष जांच कराने में समक्ष है। याची को हाईकोर्ट आने के बजाय मजिस्ट्रेट के समक्ष अभ्यावेदन करना चाहिए। यह आदेश न्यायमूर्ति अंजनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति दीपक वर्मा की खंडपीड ने आदिल रियाज की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।मामले में प्रयागराज के अतरसुइया थाने में आत्महत्या के लिए उकसाने सहित आईपीसी की विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज है। याची का आरोप है कि पुलिस आरोपियों से मिली हुई है। घटना के बाद से अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में कोई आरोप पत्र दाखिल नहीं किया गया। कोर्ट ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि याची पुलिस की जांच से संतुष्ट नहीं है, लेकिन उन्हें हाईकोर्ट आने के बजाय न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष अभ्यावेदन करना चाहिए। कोर्ट ने इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के कई केसों का हवाला भी दिया।

ऐन्द्री धाम विकास संस्थान के सदस्यों ने की बैठक

हनुमानगंज। मां ऐन्द्री धाम विकास संस्थान जमुनीपुर की वार्षिक बैठक रविवार को सम्पन्न हुई। इस दौरान प्रबंधक दया शंकर पाण्डेय ने आय व्यय का विवरण प्रस्तुत कर इस वर्ष होने वाले कार्यक्रम व विकास कार्य की चर्चा की। मंदिर परिसर में फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में भगवान शनि देव की स्थापना कर प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी। संस्थान की पिछली बैठक में इस वर्ष चैत नवरात्रि में सहस्त्रचन्डी महायज्ञ का निर्णय लिया गया था जिसे कोविड 19 के तीसरे स्वरूप के खतरे को देखते हुए निलंबित कर दिया गया है। अंत में पिछले वर्ष हुए संस्थान के तीन सदस्यों के निधन पर उनकी आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रख ईश्वर से प्रार्थना कर बैठक की कार्यवाही समाप्त की गई। इस मौके पर लालजी तिवारी, तरुण राज सिंह, कमल नारायण सिंह, सुरेंद्र प्रसाद तिवारी, महेंद्र कुमार पांडेय, गुलाब दुबे, अशोक कुमार दुबे, हरिश्चंद्र यादव आदि बहुत से सदस्य मौजूद रहे।

अतीक के गुर्गे ने जमीन के नाम पर 27 लाख हड़पे

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद भले ही सैकड़ों किमी दूर अहमदाबाद जेल में बंद हो, लेकिन उसके गुर्गों के कारनामे जारी हैं। वह रंगदारी मांगने से लेकर जमीन हड़पने तक का काम अब भी कर रहे हैं। करेली में सामने आए ऐसे ही एक मामले में अतीक के गुर्गे ने जमीन के नाम पर 27 लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ित अधिवक्ता ने जमीन न मिलने पर रुपये वापस मांगे तो उसे जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर पुलिस ने नामजद एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।करेली के ऐनुद्दीनपुर में रहने वाले मो. उमर खान अधिवक्ता हैं। उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि मरियाडीह के रहने वाला नूर हमजा ने 2015 में जमीन के नाम पर उनसे 27 लाख रुपये लिए। इनमें से कुछ रकम बताए गए अकाउंट में अपने एसबीआई के खाते में ट्रांसफर किए जबकि शेष रकम का भुगतान नकद में किया। सात साल बीतने के बाद भी उसने जमीन का बैनामा नहीं किया। यही नहीं रुपये वापस मांगने पर खुद के साथ ही अपने साथियों से भी जान से मारने की धमकी दिलवा रहा है। पीड़ित अधिवक्ता ने बताया कि वह लगातार इस मामले की शिकायत करते रहे लेकिन करेली थाने की पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। 17 जनवरी को उसने मामले की शिकायत एसपी सिटी से की। जिन्होंने इस पूरे मामले की जांच के आदेश दिए। इसके बाद इस मामले में नामजद एफआईआर दर्ज की गई। पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपी अतीक गैंग का सदस्य है जिसने कई अन्य लोगों के साथ भी इस तरह की घटनाएं की हैं। करेली पुलिस ने बताया कि तहरीर के आधार पर धोखाधड़ी, गालीगलौज व अमानत में ख्यानत के आरोप में केस दर्ज किया गया है। जांच पड़ताल की जा रही है।अवैध प्लाटिंग में पीडीए दर्ज करा चुका है केस पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी नूर हमजा पर पहले भी जमीन के मामले में केस दर्ज हो चुके हैं। अगस्त 2018 में पुलिस, प्रशासन व प्रयागराज विकास प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने अतीक अहमद व उसके करीबियों की ओर से करेली व आसपास के इलाकों में लगभग 1200 बीघा जमीन पर की गई अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया था। इनमें अलीना सिटी, अहमद सिटी समेत अन्य अवैध टाउनशिप शामिल थीं। इस मामले में पीडीए की ओर से करेली में कुल नौ मुकदमे दर्ज कराए गए थे। इन्हीं में से एक मुकदमे में अतीक के करीबी जुबैर, कम्मो, जाबिर, जैद खालिद के अलावा नूर हमजा भी नामजद है। आरोप था कि इन लोगों ने बख्शी मोढ़ा में अतीक के लिए अवैध प्लाटिंग की।

शहर पश्चिमी से ऋचा सिंह ही होंगी सपा उम्मीदवार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव में रहस्य और रोमांच का तड़का लगातार बना हुआ है। इलाहाबाद शहर पश्चिमी सीट पर सपा उम्मीदवार को लेकर भी यही हाल रहा है। हालांकि अब तस्वीर साफ हो गई है कि कौन यहां से सपा का प्रत्याशी है। समाजवादी पार्टी से शहर पश्चिमी सीट पर अमरनाथ सिंह मौर्या और डा. ऋचा सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया था। बुधवार को काफी रस्साकसी के बीच रिटर्निंग आफीसर ने अमरनाथ मौर्या का पर्चा खारिज करते हुए डा. ऋचा सिंह को समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी घोषित कर दिया।शहर पश्चिमी सीट पर समाजवादी पार्टी ने अमरनाथ सिंह मौर्या को प्रत्याशी घोषित किया था। सोमवार को पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ अमरनाथ ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर नामांकन भी कर दिया था। लेकिन नामांकन के अंतिम दिन मंगलवार को सपा नेत्री डा. ऋचा सिंह ने नामांकन

सिद्धार्थनाथ से मुकाबला

पत्र दाखिल कर समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी होने का दावा किया था। नामांकन फार्म में राजनीतिक दल के कालम में समाजवादी पार्टी लिखा था। इसे लेकर जिले के साथ ही लखनऊ तक पार्टी में हलचल मच गई थी।अमरनाथ मौर्या पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या के खास करीबी हैं, ऐसे में तमाम तरीके के कयास लगाए जाने लगे। सपा के जिलाध्यक्ष योगेश यादव भी साफ तौर पर कुछ बोलने की स्थिति में नहीं रहे। बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच शुरू हुई। इसके बाद अमरनाथ मौर्या और डा. ऋचा सिंह ने रिटर्निंग आफीसर के सामने अपनी-अपनी बात रखी। देर शाम अमरनाथ सिंह मौर्या का पर्चा खारिज करते हुए डा. ऋचा सिंह को अधिकृत तौर पर शहर पश्चिमी से समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी घोषित किया गया। अब ऋचा ही शहर पश्चिमी चुनाव में भाजपा उम्मीदवार सिद्धार्थ नाथ सिंह को टक्कर देंगी।

72 उम्मीदवारों का पर्चा खारिज

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन कराने वाले उम्मीदवारों में 72 प्रत्याशियों का पर्चा खारिज कर दिया गया है। इन सभी के पर्चे में कुछ न कुछ गलतियां थीं। विधानसभा चुनाव 2022 के लिए पहली फरवरी से नामांकन शुरू हुआ था। आठ फरवरी तक चली प्रक्रिया में 244 उम्मीदवारों ने नामांकन कराया था।

अब 172 प्रत्याशी प्रयागराज में चुनाव मैदान में

बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच हुई। सुबह 11 से शाम तक चली जांच प्रक्रिया में 72 पर्चे खारिज कर दिए गए हैं। अब चुनाव मैदान में 172 प्रत्याशी ही बचे हैं। शुक्रवार को नाम वापसी होगी। तब कुछ प्रत्याशी नाम वापस ले सकते हैं। नाम वापसी के तस्वीर स्पष्ट हो जाएगी कि मैदान में कितने रहेंगे।

धान बिक्री करने वाले 2 हजार किसानों का नहीं हुआ भुगतान

अखंड भारत संदेश

समस्या के जल्द समाधान का आश्वासन

जिला विपणन अधिकारी ने बताया भुगतान न होने का कारण

इस संबंध में जिला विपणन अधिकारी विपिन कुमार राय का कहना है कि खाता नंबर, आधार नंबर और नाम की स्पेलिंग में गड़बड़ी के कारण कई किसानों का भुगतान फंसा हुआ है। यह समस्या समाप्त होते ही किसानों को धान का पैसा मिल जाएगा। कई किसानों को यह समस्या आई थी। उन सभी ने उसे सही कराया और उनका भुगतान कर दिया गया।

प्रयागराज। सरकार की ओर से किसानों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने का लगातार प्रयास किया जाता है। हालांकि सरकारी महकमे की लापरवाही और मनमानी के कारण उसका लाभ नहीं मिल पाता है। इससे लोग अधिकारियों की कार्यशैली पर भी उंगली उठाने लगते है। धान खरीद में मनमानी और धान बेचने वाले प्रयागराज के किसान परेशान हैं। धान बेचने वाले दो हजार से अधिक किसानों को समय से भुगतान नहीं होने मिल पा रहा है। इससे किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

क्रय केंद्रों पर धान बेचने वाले दो हजार से अधिक किसान भुगतान के लिए भटक रहे हैं। भुगतान किसलिए नहीं हुआ है, इसकी भी सही जानकारी किसानों को नहीं मिल रही है। जबकि शासन की ओर से सख्त निर्देश दिया गया है कि धान बेचने वाले किसानों का 72 घंटे के भीतर भुगतान किया जाना चाहिए। कोरांव के हीरा लाल, सहसो के रामसफल और फूलपुर के ननकू राम ने पांच जनवरी को अलग-अलग क्रय केंद्रों पर धान बेचा लेकिन अभी तक धान बिक्री का पैसा नहीं मिला। इन किसानों ने बताया कि क्रय केंद्र पर जाने पर कहा जाता है कि आधार नंबर खाता नंबर से लिंक करा लो तब खाते में धनराशि ट्रांसफर हो जाएगी। जब बैंक जाकर आधार नंबर खाता से लिंक कराने पहुंचने पर पता चलता है कि पहले से ही आधार कार्ड जुड़ा हुआ है। ऐसे में यह नहीं समझ आ रहा है कि बैंक वाले गलत बता रहे हैं या फिर क्रय केंद्र वाले।

बाल अपराध की सूचना देने में नाकाम पुलिस कर्मचारियों पर हाई कोर्ट ने दिया एक्शन लेने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पाक्सो एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में अभियुक्त की ओर से दाखिल जमानत अर्जी की जानकारी पीड़ित के अभिभावकों और बाल कल्याण समिति को न देने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने एसएसपी बुलंदशहर को इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई करने और स्वयं वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अदालत को स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट ने किरण पाल की जमानत अर्जी की सुनवाई करते हुए दिया है।

पीड़िता और बाल कल्याण समिति को नहीं दी जानकारी

अपर शासकीय अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि इस अदालत द्वारा जुनैद मामले में दिए निदेर्शों के अनुसार अभियुक्त की ओर से जमानत अर्जी दाखिल करने की जानकारी पुलिस ने पीड़िता के अभिभावकों को नहीं दिया। न ही बाल कल्याण समिति को कोई जानकारी दी गई। कोर्ट ने एसएसपी बुलंदशहर को निर्देश दिया है कि वह जुनैद मामले में दिए गए आदेश और इस अनुक्रम में डीजीपी यूपी की ओर से जारी निदेर्शों का पालन करने में असफल रहे पुलिस कर्मियों पर नियमानुसार कार्रवाई कर अदालत को सूचित करें।हाई कोर्ट ने पूछा है कि किस वजह से पुलिस अदालत के निदेर्शों का पालन करने में विफल रही है। हाई कोर्ट ने पुलिस और बाल कल्याण समिति बुलंदशहर से भी कहा है कि वह जुनैद केस में दिए निदेर्शों का पालन करने के लिए कहा है। मामले के अनुसार जुनैद केस में कोर्ट ने कहा कि पॉक्सो के मामले में दर्ज मुकदमे में यदि आरोपी की ओर से जमानत अर्जी दाखिल की जाती है तो संबंधित पुलिस इसकी सूचना पीड़िता और उसके अभिभावकों के अलावा बाल कल्याण समिति को दे ताकि बाल कल्याण समिति पीड़िता को उसके अधिकारों से अवगत करा सके।

स्लोगन प्रतियोगिता की विजेता इल्मा फातिमा छात्रा का हुआ सम्मान

अखंड भारत संदेश

करछना। विगत दिनों आयोजित जनपद स्तरीय मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता में जिले के हजारों बच्चों ने प्रतिभाग किया था। ऑनलाइन वर्चुअल प्रतियोगिता में स्लोगन,पोस्टर और गीत प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया था। बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज रामपुर की छात्रा इल्मा फातिमा को स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने पर बुधवार को विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष तिवारी और शिक्षकों ने सम्मानित किया। शिक्षकों ने खुशी का इजहार करते हुए इल्मा को बधाई देते हुए अन्य बच्चों को भी इसी तरह आगे आने पर जोर दिया। इस मौके पर चंद्रशेखर सिंह, जितेंद्र कुमार, जगतपाल, मालती देवी विश्वेश ओझा, कमला शंकर त्रिपाठी, राजकुमार विश्वकर्मा, विमला देवी समेत शिक्षक कर्मचारी बच्चे मौजूद रहे।

सम्मानित होती इल्मा फातिमा

डीएम से नवीन मंडी परिसर का सम्पूर्ण भाग न अधिग्रहित करने की हुई मांग

प्रयागराज। शहर पश्चिम व्यापारी महासंघ जिला मजिस्ट्रेट / जिला निर्वाचन अधिकारी प्रयागराज द्वारा आगामी विधानसभा समान्य निर्वाचन 2022 दृष्टिगत नवीन मंडी स्थल मुण्डेरा का सम्पूर्ण परिसर को दस फरवरी से बारह मार्च तक अधिग्रहीत करने का पूर्व में जो आदेश दिया है , जिसे फल सब्जी आढ़ती व्यापारियों में खासी नराजगी है , व्यापारियों का कहना है कि पूर्व किसी निर्वाचन में ऐसा कभी नहीं किया गया , चाहे वह वर्ष 2019 लोकसभा का निर्वाचन रहा हो या वर्ष 2017 का विधानसभा का निर्वाचन रहा हो , नवीन मंडी परिसर का प्रमुख भाग ही वह भी निर्वाचन वाले दिन से मतगणना वाले दिन तक ही अधिग्रहित किया जाता था , जिसे फल सब्जी के व्यापारियों का जीविकोपार्जन भी चलता रहता व निर्वाचन मतगणना आदि में समस्या नही होती , लेकिन इस बार जिलाधिकारी द्वारा नवीन मंडी परिसर सम्पूर्ण भाग दस फरवरी से बारह मार्च तक लगभग एक माह से अधिक का समय के लिए अधिग्रहण से व्यापारियों के साथ आम जनता को भी फल सब्जी आपूर्ति में कठिनाई सामना करना पड़ेगा। व्यापारियों व आम जनमानस की समस्या दृष्टिगत शहर पश्चिम व्यापारी महासंघ जिला निर्वाचन अधिकारी से यह पूरजोर मांग करता पूर्व के भांति इस विधानसभा चुनाव में भी नवीन मंडी परिसर का प्रमुख भाग ही अधिग्रहित किया जाये, फल सब्जी व्यापारियों की आजीविका भी सुचारू रूप से चल सके साथ ही आम जनता को भी फल सब्जी आदि सुचारू रूप से मिल सके , महासंघ जिलाधिकारी से पूर्व के भांति ही इस आगमी विधानसभा निर्वाचन में भी नवीन मंडी परिसर प्रमुख भाग ही अधिग्रहित करने की मांग करता है , जिसे व्यापारियों की आजीविका सुचारू रूप से चल सके। मांग करने वालों में अन्नू भैया , अखिलेश सिंह , धनजंय सिंह , राजेश गुप्ता , अतुल केसरवानी, धर्मेंद्र द्विवेदी , नरेंद्र खेड़ा , रामलोचन , सोनू साहू , सुरेश गुप्ता , सतीश कुशवाहा , मनोज यादव , विजय पाल , रामनरेश पटेल , बच्चा यादव समेत बड़ी आढतियों व्यापारियों ने मांग की।

कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी कौशाम्बी

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान 2022

" इस आजादी के अमृत महोत्सव पर कुष्ठ मुक्त भारत की ओर "

संदेश

1. कुष्ठ रोग एक संक्रामक रोग है जो माइक्रो बैक्टिरियम लैप्रे नाम के जीवाणु से होता है।
2. चमड़ी पर दाग, चकत्ते का सुन्नपन होना कुष्ठ रोग का प्रमुख लक्षण है।
3. तंत्रिकांओं का मोटापन झनझनाहट होना भी कुष्ठ रोग का लक्षण है ।
4. अगर आप इस तरह के लक्षण वाले किसी भी व्यक्ति के सम्पर्क में आते हैं तो तुरन्त अपने गाँव के आशा बहन जी से सम्पर्क कर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर इलाज करायें।
5. कुष्ठ रोग की जाँच उपचार और एम. डी. टी. दवा सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर मुफ्त उपलब्ध है।
6. कुष्ठ रोगी से भेद भाव न करें, यह अनुवांशिक रोग नही है।
7. कुष्ठ रोग पूर्व जन्म में किए गए पापों का फल नही है।
8. कुष्ठ रोग पूर्णतया साध्य है। जल्दी जाँच व उपचार विकलांगता बचाता है

जिला कुष्ठ अधिकारी कौशाम्बी | मुख्य चिकित्साधिकारी कौशाम्बी | जिलाधिकारी कौशाम्बी

पत्रांकःमु0चि0अ0/स्पर्श0 कु0जा0अ0/2021-22/479 दिनांक 8-02-2022

डॉ शिवानी बनीं मतदाता जागरूकता अभियान की ब्रांड एम्बेसडर

डीआईओएस ने जारी किया गया पत्र

डा0 शिवानी मातनहेलिया को पत्र देते अधिकारी।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आगामी विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करने के लिये जिला प्रशासन ने एक बार पुनः जनपद की वरिष्ठ संगीतज्ञ व जगदीश मातनहेलिया मेमोरियल ट्रस्ट की संस्थापक व अध्यक्ष डॉ शिवानी मातनहेलिया को स्वीप कार्यक्रम की ब्रांड एम्बेसडर के रूप में नामित किया है।

स्वीप के नोडल अधिकारी जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानंद ने डॉ शिवानी मातनहेलिया को पत्र देते हुए उन्हें जनपद में मतदाता जागरूकता अभियान के कार्यक्रमों को गति देने की अपील की। डॉ शिवानी को समाज के सभी वर्गों में गहरी पैठ को देखते हुए वर्ष 2019 में सम्पन्न हुए लोकसभा चुनाव के दौरान भी उन्हें स्वीप का ब्रांड एम्बेसडर नामित किया गया था। शिवानी ने व्यक्तिगत स्तर पर व जगदीश मातनहेलिया मेमोरियल ट्रस्ट के माध्यम से अनेक बैठकें आयोजित कर व दस हजार से अधिक मतदाताओं से लिखित शपथ पत्र पर हस्ताक्षर लेकर प्रतापगढ़ जनपद में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान दिया था। इस अवसर पर जगदीश मातनहेलिया मेमोरियल ट्रस्ट के युवा-मंच के कई सदस्य भी शिवानी के साथ उपस्थित रहे।

दिलायी गयी मतदाता जागरूकता की शपथ

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। विधानसभा चुनाव मे शत प्रतिशत मतदान को लेकर बुधवार को लालगंज के रामगंज स्थित बाल भारती पब्लिक स्कूल मे लोगों को मतदान करने के बाबत शपथ दिलाई गई। इस दौरान मतदाता जागरूकता अभियान के तहत फिट इण्डिया कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमे बतौर अतिथि अशोक सिंह व भालचंद्र तिवारी ने मतदान के महत्व को लेकर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवक अमन बरनवाल व मनु तिवारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस मौके पर अनुराग तिवारी, साहिल तिवारी, दीनानाथ तिवारी, सुधीर तिवारी आदि मौजूद रहे।

एक पूर्व मंत्री ने सपा छोड़ी, एक ने सपा के खिलाफ निर्दलीय भरा पर्चा

कई दिग्गज सपा नेता टिकट बंटवारे से हुए नाराज

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। इस बार विधान सभा चुनाव में टिकट बंटवारे में कई दिग्गज नेताओं को समाजवादी पार्टी ने नाराज कर दिया है। इनमें पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा ने टिकट बंटवारे से क्षुब्ध होकर पार्टी ही छोड़ दी। इसके अलावा राजाराम पाण्डेय के पुत्र संजय पाण्डेय को टिकट देकर नामांकन करने से रोकने पर समाजवादी पार्टी में ही असंतोष है।सपा कार्यकताओं के दबाव में संजय पाण्डेय ने विश्वनाथगंज से निर्दलीय पर्चा भरा है। रानीगंज में पहले विनोद दुबे को टिकट दिया, बाद में यह टिकट बदलकर आरके वर्मा को प्रत्याशी बना दिया। भाजपा से सपा में गये पूर्व विधायक बृजेश सौरभ को भी कहीं से टिकट नहीं मिला है। समाजवादी पार्टी की एकमात्र महिला सुषमा पाल टिकट के लिये आशावान थी, लेकिन उसे भी टिकट नहीं दिया गया। इस तरह समाजवादी पार्टी ने प्रतापगढ़ में सीट

पर न तो कोई महिला प्रत्याशी उतारा है और न ही किसी ब्राहमण को टिकट दिया है। इससे चुनाव में कितना नुकसान भुगतना होगा, यह तो परिणाम बताएगा लेकिन इतना जरुर है कि विश्वनाथगंज और रानीगंज में सपा मुश्किल में पड़ सकती है। समाजवादी पार्टी में विश्वनाथगंज में एक गैर राजनैतिक व्यक्ति सौरभ सिंह को सपा का टिकट दिया है। इससे भी भारी असंतोष है।

न्यायालय सभागार में आयोजित बैठक में मजिस्ट्रेट।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में हुई बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 मार्च 2022 के सम्बन्ध में जनपद न्यायालय सभागार कक्ष में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय के निर्देशन में समस्त न्यायिक मजिस्टेज्ट के साथ नोडल अधिकारी लोक अदालत आलोक द्विवेदी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नीरज कुमार त्रिपाठी द्वारा सभी न्यायिक अधिकारियों से अपेक्षा की गयी कि सभी न्यायिक अधिकारी अपने न्यायालय से उन्हें अधिक से अधिक मामलें चिन्हित करने के लिये अपने कर्मचारियों को निर्देशित किया जाये ताकि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराया जा सके। बैठक में मुख्य न्यायिक मजिस्टेज्ट मनोज कुमार द्वितीय, सिविल जज सी0डि0 प्रदीप कुमार शुक्ला, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्टेज्ट आकांक्षा मिश्रा सहित समस्त न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रास्ते के विवाद को लेकर मां बेटी को पीटा

पट्टी, प्रतापगढ़। पड़ोसी से रास्ते के विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक महिला को आरोपियों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों से पीट दिया। बीच-बचाव करने आई उसकी बेटी को भी आरोपियों ने पीटकर जख्मी कर दिया। पीड़िता ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के रामगंज की रहने वाली आशा देवी पत्नी तुलसीराम ने बताया कि बीते सात फरवरी को पट्टीदारों से रास्ते को लेकर विवाद हो गया। आरोपियों ने महिला का रास्ता बंद कर दिया महिला ने जब इसकी शिकायत किया तो आरोपियों ने भद्दी भद्दी गालियां देते हुए एक राय होकर उसे मारा पीटा महिला घर में भागी तो आरोपियों ने घर में दौड़ा कर उसे मारा-पीटा। बीच-बचाव करने आई उसकी बेटी को भी आरोपियों ने पीटकर निर्वस्त्र कर दिया तथा घर में रखा हुआ सामान तोड़ दिए। थाने में कार्यवाही ना होने पर पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक महिला आयोग तथा मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियो के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा सरकार में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं: हाफिज असलम

अखंड भारत संदेश

मानधाता में हुई चुनावी जनसभा

जीतलाल के समर्थन में आयोजित जनसभा में मौजूद विधायक राजकुमार पाल।

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। अपनादल भाजपा गठबंधन की विश्वनाथगंज विधानसभा के मान्धाता में हुई चुनावी जनसभा मे प्रत्यासी जीतलाल पटेल को समर्थन करते हुए युवा भाजपा नेता हाफिज असलम भाई ने भाजपा की नीतियों का समर्थन किया।

उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि अभी तक सियासत के लोगों ने देश के अल्पसंख्यक समुदाय को विकास की मुख्यधारा से जुड़ने नहीं दिया। वर्तमान भाजपा सरकार में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं है। सुविधाएं सब को समान रूप से मिल रही हैं। सरकार की कई योजनाएं मुस्लिम समाज को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है। पूर्व विधायक राजकुमार पाल ने किसान परिवार से आने वाले पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता जीतलाल पटेल को भारी समर्थन देने का आग्रह किया। प्रत्याशी जीतलाल ने कहा कि मैं पार्टी का एक छोटा सा सिपाही हूँ। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विश्वनाथगंज की जनता पर विश्वास करके प्रत्यासी घोषित किया हैं मैं तो केवल एक कार्यवाहक हूँ।

विश्वनाथगंज का हर नागरिक विधायक है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष नवीन सिंह, पूर्व प्रधान डॉ बहादुर सिंह, नईम कोटेदार, लालजी सिंह, शिवपूजन पटेल, प्रधान राम पूजन पटेल, मोतीलाल, निर्मल, विपिन कुमार पटेल, नागेंद्र कुमार पटेल, पूर्व प्रधान कल्लन, मो0 दिलशाद सहित बड़ीं संख्या मे समर्थक मौजूद रहे।

संदिग्ध दशा में पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। घर से थोड़ी दूर पर पेड़ से लटकता हुआ एक युवक का शव संदिग्ध दशा में मिला तो लोगों के होश उड़ गए। सूचना देने पर मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के बसौली गांव का रहने वाला मनीष विश्वकर्मा पुत्र मनडोले (20) का शव उसके घर से पचास मीटर दूर एक पेड़ से लटकता हुआ मिला। ग्रामीणों ने तो परिजनों को सूचना दी। शव देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दिया तो मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करके उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चार के खिलाफ मारपीट व दलित उत्पीड़न का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने रंजिशन जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गालीगलौज करने मारपीट व धमकी को लेकर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के केदौरा साधूराम का पुरवा निवासी पन्ना लाल सरोज पुत्र माताबदल सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीते छः फरवरी की शाम पांच बजे उसका भतीजा चन्द्रेश स्थानीय बाजार से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव के रास्ते पर गांव निवासी मयंक, अनूप व प्रिंस तथा एक अज्ञात ने उसके भतीजे को जबरन रोक लिया। आरोपियो ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करके गाली देते हुए उसे जमकर मारापीटा। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मयंक समेत चार लोगों के खिलाफ दलित उत्पीड़न, मारपीट व धमकी का मुकदमा दर्ज किया है।

मतगणना स्थल महुली मण्डी की हुई साफ-सफाई

अखंड भारत संदेश

नगर पालिका के 50 कर्मी जुटे सफाई में

महुली मण्डी में साफ-सफाई करते सफाई कर्मचारी।

प्रतापगढ़। विधान सभा चुनाव की मतगणना आगामी दस मार्च को महुली मण्डी में होनी है। इसको लेकर जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने महुली मण्डी को खाली कराकर सफाई का निर्देश दिया था। जिलाधिकारी के निर्देश पर महुली मण्डी खाली करा ली गई है और आज बुधवार को नगर पालिका के 50 सफाई कर्मचारी महुली मण्डी झाड़ू, फावड़ा, ट्रैक्टर लेकर पहुंचे थे।

पूरे मण्डी की दिनभर सफाई की गई। इसका निरीक्षण एडीएम सुनील कुमार शुक्ला ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, स्वच्छ भारत मिशन के आशीष मिश्रा, सफाई सुपरवाइजर सुनील आदि मौजूद रहे। बता दें कि जनपद की सातों विधान सभा क्षेत्रों में हुए मतदान की मतगणना इसी मण्डी में दस मार्च को होगी। इसकी प्रशासन अपनी तैयारी में लग गया है। सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह व अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह के निर्देशन में आज सुबह सफाई कर्मी मण्डी समिति पहुंच गये थे।

राजकुमार बने अपना दल एस के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

राजकुमार पाल।

प्रतापगढ़। अपना दल एस से प्रतापगढ़ सदर विधायक राजकुमार पाल को अपना दल एस ने पार्टी का कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष पद का दायित्व देने का निर्णय लिया है। इस जानकारी पर अपना दल एस के पदाधिकारियों ने जहां हर्ष जताया है, यह जानकारी अपना दल एस के विधि मंच के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य परमानंद मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि अपना दल एस की राष्ट्रीय कार्यकारणी की संस्तुति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अनुप्रिया पटेल द्वारा विधायक प्रतापगढ़ सदर राजकुमार पाल को तत्काल प्रभाव से कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष अपना दल एस उत्तर प्रदेश के पद का दायित्व देने का निर्णय लिया है। राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्णय के प्रति पदाधिकारियों ने आभार व्यक्त करते हुए प्रतापगढ़ सदर विधायक राजकुमार पाल को शुभकामनाएं दी हैं। प्रतापगढ़ सदर विधायक राजकुमार पाल ने कहा कि पार्टी की नीतियों पर चलते हुए जो भी पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व जिम्मेदारी देगा उसे पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निर्वाहन करते हुए प्रदेश में अपना दल एस के कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को सूत्र में पिरोते पार्टी को एक नई दिशा देने का कार्य करने का हर संभव प्रयास करेंगे। पार्टी का निर्णय ही मेरे लिए सर्वोपरि है।

जिपं सदस्य समेत सात पर जानलेवा हमले समेत कई गंभीर धाराओं मे मुकदमा दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने प्रधानपति पर फायरिंग करते हुए जानलेवा हमले की हुई घटना को लेकर लालगंज क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य समेत सात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर धाराओं मे मंगलवार की रात मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे वंशी गांव की प्रधान हसीना बानो के पति मुख्तार अहमद पुत्र सब्बीर अहमद ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि विधानसभा चुनाव को लेकर गांव के सूरज उर्फ नवाज पर पुलिस ने पाबन्दी की कार्रवाई की है। सूरज पर पुलिस द्वारा की गई पाबंदी की कार्रवाई को लेकर मंगलवार दोपहर लालगंज क्षेत्र से जिपंस व लालगंज नगर निवासी विश्वास उर्फ वीरू नागर पुत्र विवेकप्रकाश नागर ने उसके मोबाइल पर फोन किया। आरोपी जिला पंचायत सदस्य ने प्रधानपति पर जबरन पाबंदी की कार्रवाई मे नाम देने का आरोप मढ़ते हुए फोन पर उसके साथ गालीगलौज किया। इसके बाद शाम करीब साढ़े छह बजे प्रधानपति बाइक से लालगंज से अपने घर जा रहा था। प्रधानपति का आरोप है कि सलेम भदारी के पास राईसमिल तिराहे पर जिला पंचायत सदस्य अपने साथियों भदारी कला निवासी विवेकचंद्र नागर उर्फ विक्की पुत्र अज्ञात व अभिषेक यादव पुत्र लालबहादुर यादव तथा चार अज्ञात के साथ घात लगाये बैठा था।

ख्वाजा गरीब नवाज का मना उर्स

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के समीप मदरसा दारूल उलूम बाबुन्नवी खानापटटी मे ख्वाजा गरीब नवाज का उर्स धूमधाम के साथ मनाया गया। अकीदतमंदो ने ख्वाजा गरीब नवाज के जीवन पर प्रकाश डाला। लोगों के द्वारा नातख्वानी फातेहा की गयी। साहबे सज्जादा हजरत मौलाना रहमानी मियां ने ख्वाजा गरीब नवाज के बारे मे बताते हुए कहा कि ख्वाजा गरीब नवाज इस्लाम धर्म के एक ऐसे महान सूफी सन्त रहे हैं, जो दीनदुखियों के दुःखों का दूर करते थे तथा अल्लाह के सच्चे वन्दे थे। ख्वाजा गरीब नवाज को मानने वालों मे राजा से लेकर अभिनेता व रंक तक हैं। जो ख्वाजा गरीब नवाज की जियारत के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह आज भी हिन्दुस्तान की सरजमीं को रोशन कर रही है। इस मौके पर मो. बेलाल रहमानी, अम्मार रहमानी, गुजर-बसर रहमानी, मौलाना अंसार अहमद मिसबाही, मौलाना आलमरजा, मौलाना उस्मान, हाफिज अयूब, हाफिज सनाउल्ला, करार अहमद, हबीबुल्ला, फैयाज अहमद आदि मौजूद रहे।

सभी विभान सभाओं में प्रेक्षक व पुलिस प्रेक्षक किये गये नियुक्त

अखंड भारत संदेश

मोबाइल पर दी जा सकती है निर्वाचन सम्बन्धी सूचना या शिकायत

प्रतापगढ़। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद की विधानसभाओं हेतु सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक एवं व्यय प्रेक्षक नियुक्त किये गये है। जनसामान्य प्रेक्षक के आरक्षित स्थान पर स्वयं मिलकर व मोबाइल नम्बर पर निर्वाचन सम्बन्धी शिकायत या सूचना दे सकते है।

विधानसभा रामपुरखास के सामान्य प्रेक्षक के0 राजेश लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड-1 लालगंज के अतिथि गृह में आरक्षित है, इनका मोबाइल नम्बर 9151010075 है, इनसे मिलने का समय पूर्वान्ह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक है, विधानसभा बाबागंज के सामान्य प्रेक्षक श्रीकान्त शास्त्री लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड-1 लालगंज के अतिथि गृह में आरक्षित है इनका मोबाइल नम्बर 9151010079, इनसे मिलने का समय पूर्वान्ह 10 बजे से पूर्वान्ह 11 बजे तक है, विधानसभा कुण्डा के सामान्य प्रेक्षक एलेक्स वी0के0 पॉल मेनन लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड-01 कुण्डा के अतिथि गृह में आरक्षित है, इनका मोबाइल नम्बर 9151010076, इनसे मिलने का समय पूर्वान्ह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक है, विधानसभा विश्वनाथगंज के सामान्य प्रेक्षक एस0 सरवनन लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड-02 कुसफरा शनिदेवधाम के अतिथि गृह में आरक्षित है इनका मोबाइल नम्बर 9151010071 है।

इनसे मिलने का समय पूर्वान्ह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक है, विधानसभा प्रतापगढ़ के सामान्य प्रेक्षक रमन एस0ए0 लोक निर्माण विभाग (प्रान्तीय खण्ड) प्रतापगढ़ कक्ष संख्या-01 के अतिथि गृह में आरक्षित है इनका मोबाइल नम्बर 9151010074 है, इनसे मिलने का समय पूर्वान्ह 10 बजे से पूर्वान्ह 11 बजे तक है, विधानसभा पट्टी के सामान्य प्रेक्षक रूगवेद मिलिन्द ठाकुर वन विभाग चिलबिला अतिथि गृह में आरक्षित है इनका मोबाइल नम्बर 9151010078 है, इनसे मिलने का समय पूर्वान्ह 9.30 बजे से पूर्वान्ह 10.30 बजे तक है, विधानसभा रानीगंज के सामान्य प्रेक्षक दीपेन्द्र सिंह कुशवाह लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड रानीगंज के अतिथि गृह में आरक्षित हैं।

इनका मोबाइल नम्बर 9151010080 है इनसे मिलने का समय पूर्वान्ह 10.30 बजे से पूर्वान्ह 11.30 बजे तक है। इसी प्रकार सातों विधानसभाओं हेतु पुलिस प्रेक्षक अनूप कुरूविल्ला जॉन पुलिस लाइन अतिथि गृह में आरक्षित है इनका मोबाइल नम्बर 9151010072 है इनसे मिलने का समय पूर्वान्ह 9 बजे से पूर्वान्ह 10 बजे तक है। विधानसभा रामपुरखास, बाबागंज व कुण्डा के व्यय प्रेक्षक स्मिता वी0 नायर जिला पंचायत अतिथि गृह में आरक्षित, इनका मोबाइल नम्बर 9151010073 है, इनसे मिलने का समय पूर्वान्ह 10 बजे से पूर्वान्ह 11 बजे तक है। विधानसभा विश्वनाथगंज, प्रतापगढ़, पट्टी व रानीगंज के व्यय प्रेक्षक एस0एम0 सुरेन्द्रनाथ जिला पंचायत अतिथि गृह में आरक्षित है इनका मोबाइल नम्बर 9151010077 है इनसे मिलने का समय पूर्वान्ह 10.30 बजे से पूर्वान्ह 11.30 बजे तक है। सभी प्रेक्षकों से कार्य दिवसों में मिला जा सकता है।

अवैध तमन्चा कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में विधानसभा चुनाव, 2022 को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत जनपद पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाकर अपराध/अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना मानिकपुर से उ0नि0 अजय कुमार अंचल मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के सम्राट ढाबा के पास से एक व्यक्ति मो0 रशीद पुत्र मो0 अब्दुल वहीद निवासी जार्जमऊ गोसाला नई चुंगी रमादेवी चैराहा थाना चकेरी जनपद कानपुर नगर को 01 अदद तमन्चा 315 बोर नाजायज व 2 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 35/2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया है।

खबर संक्षेप

गैंगेस्टर एक्ट के अभियुक्त को तमंचा के साथ भेजा जेल

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे थाना करारी पुलिस प्रभारी निरीक्षक सुभाष कुमार यादव मय हमराही पुलिस बल द्वारा सोनी रोड ईंट भट्ट के पास से उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट थाना मझनपुर से सम्बन्धित दो वाछित अभियुक्तो अफसार पुत्र निसार अहमद निवासी छिमिरछा थाना करारी को एक अदद देशी तमंचा 12 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर व अभियुक्त नीरज कोरी पुत्र उदितनारायण उर्फ अदितनारायण निवासी पश्चिम शरीरा थाना पश्चिम शरीरा को एक अदद देशी तमंचा 315 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया है।

जुआ खेलते तीन गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना महेवाघाट पुलिस द्वारा तीन अभियुक्तो तुलसी पुत्र ठाकुरदीन राम सुमेर पुत्र महेशी व संगम लाल पुत्र तीरथ निवासीगण महेवा उपरहार थाना महेवाघाट को सार्वजनिक स्थान पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते हुये गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 52 अदद तास के पत्ते व 100 रुपए मालफड तथा जमातलासी के दौरान 200 रुपए बरामद कर कार्यवाही की गई।

विवाहिता की गला घोटकर हत्या मासूम बेटी लापता

हत्या करने के बाद चिता जलाने जा रहे ससुराली जनों को पुलिस ने दबोचा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के नगर पालिका परिषद मंझनपुर क्षेत्र के नानुहा का पूरा में दहेज लोभी ससुराली जनों ने एक विवाहिता की गला घोटकर हत्या कर दी है और विवाहिता के लाश को आग लगाकर चिता के हवाले करने जा रहे थे लेकिन मामले की जानकारी ग्रामीणों ने स्थानीय थाना पुलिस को दे दिया जिस पर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और ससुराली जनों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है विवाहिता की एक वर्ष की बेटी भी लापता है आशंका जताई जा रही है कि मासूम बेटी की भी हत्या कर लाश गायब कर दिया गया है जानकारी मिलते ही विवाहिता के मायके के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। घटनाक्रम के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के चक गांव निवासी मूलचंद्र लोध की बेटी रेखा देवी लोध की शादी इसी कोतवाली क्षेत्र के नानूआ का पूरा गांव निवासी हीरालाल के बेटे बद्री प्रसाद के साथ 4 वर्षों पूर्व हिंदू रीति रिवाज से सम्पन्न हुई थी लेकिन शादी के बाद ही रेखा का उत्पीड़न शुरू हो गया आए दिन उस पर तरह-तरह के

चिता के पास रखी विवाहिता की लाश और मौके पर मौजूद ग्रामीण

आरोप लगाकर प्रताड़ित किया जाने लगा दहेज में कम सामान पाने का उलाहना देकर रेखा देवी का लगातार उत्पीड़न किया जाता रहा कई बार मामला थाना पुलिस चौकी पहुंचा पंचायत के बीच मामले में सुलह समझौता भी हुआ लेकिन ससुराली जनों का दहेज के लिए सुरसा जैसे मुंह कम नहीं हो सका रेखा की बहन प्रीति देवी की 10 फरवरी को शादी की तारीख निश्चित है वह अपनी बहन प्रीती की शादी में शामिल होने के लिए अपने मायके चक जाना चाहती थी लेकिन ससुराली जनों ने उसे मायके जाने से रोक दिया इसी बात को लेकर रेखा ने विरोध किया जिस पर उसके ससुराली जनों ने रेखा देवी का गला घोट कर उसकी हत्या कर दी मामले की सूचना रेखा के मायके वालों को भी नहीं दी गई और रेखा की चिता जलाने की तैयारी कर ली गई आसपास के लोगों ने मामले की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दिया विवाहिता की हत्या की

एक बेटी की आनी थी बारात दूसरी बेटी की कर दी गई हत्या

कौशांबी। चक गांव निवासी मूलचंद्र की बेटी रेखा देवी लोध की शादी नानुहा का पूरा गांव में हुई है जिसकी बुधवार को दिन में हत्या कर दी गई है रेखा देवी की बहन प्रीती देवी की शादी की तारीख 10 फरवरी निश्चित है बेटी प्रीती की शादी की व्यवस्था में लगे रेखा देवी के पिता भाई को जैसे ही रेखा देवी की हत्या की जानकारी मिली मायके के लोग बेटी के बारात का इंतजाम छोड़कर रेखा देवी की ससुराल पहुंच गए हैं एक बेटी की बारात आनी थी और दूसरी बेटी की हत्या कर दी गई परिवार के सामने मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ा है।

जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर थाना पुलिस पहुंची और विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है पुलिस ने ससुराली जनों को हिरासत में ले लिया है ग्रामीणों से जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर विवाहिता के मायके के लोग भी पहुंच गए हैं।

नामांकन कर सौदेबाजी करने वाले प्रत्याशी भी उतरे मैदान में

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। जनपद में ऐसे ऐसे खिलाड़ी भी हैं जिन्हें जल्दी भांप पाना मुश्किल है। ये ऐसे अवसरवादी समाजसेवी का चोला ओढ़कर बैठे है कि कब किससे सौदेबाजी कर समर्थन करेंगे किसी को नहीं पता। एक चोला ऐसा की लोग चकमा खा जाएं। गरीबों की लाचारी दोस्तों के साथ गद्दारी इनकी रगों में बहता है बस उसका रंग पहचान पाना असंभव हो जाता है। मालूम हो जनपद के तीनों विधानसभा चुनाव तमाशा बनकर रह गया है तमाम ऐसे स्वार्थी मक्कार लोग भी नामांकन करने पहुंच रहे हैं जो नामांकन करने के बाद दूसरे प्रत्याशियों पर यह कह कर रौब गांठते हैं कि उनकी मतदाताओं के बीच इतनी पकड़ है कि खुद चुनाव तो नहीं जीत सकते हैं लेकिन दूसरे का बना हुआ चुनाव बिगाड़ कर चुनाव हरा देंगे जबकि ये खुद अपने परिजनों का मत नही पाने वाले होते हैं यहीं इसलिए सौदेबाजी शुरू होती है लाख दो लाख मिलने के बाद इस तरह के बिकाऊ चिरकुट प्रत्याशी समझौता कर लेते हैं और फिर जिससे पैसा मिल जाता है उसे अपना खास समाज का जनसेवक बताकर उस के पक्ष में आम जनता से मतदान करने का प्रचार करने लगते हैं बीते विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भी इस तरह के बरसाती मेंढक टाइप के प्रत्याशियों ने नामांकन किया था जो बाद में रकम लेकर दूसरे प्रत्याशी के चरणों में गिर पड़े थे और विधानसभा चुनाव 2022 में भी इस तरह के समाज विरोधी लोगों ने भी नामांकन कर दावा ठोक दिया है दूसरे के हाथ बिक जाने वाले प्रत्याशी अभी बड़े-बड़े डींग हॉक रहे हैं उनका कहना है कि इस बार खुद चुनाव भी जीतेंगे मतदान नजदीक आते आते इस तरह के प्रत्याशी दूसरे के कार्यालय में जी हुजूरी करते देखे जाते हैं आखिर इस तरह के प्रत्याशियों से मतदाताओं को भी सावधान रहने की जरूरत है जो मतदाताओं के वोट का ठेका लेकर दूसरों से धनादोहन करते हैं।

तीनों विधानसभा से 40 प्रत्याशी चुनाव मैदान में

जांच के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्दल लाल बहादुर सहित 11 प्रत्याशियों का नामांकन पत्र किया निरस्त

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। विधानसभा चुनाव 2022 में जिले के तीनों विधानसभा सिराथू मंझनपुर और चायल में कुल 55 नामांकन पत्र प्रत्याशियों ने दाखिल किए थे लेकिन नामांकन पत्र के दौरान 11 नामांकन पत्र गलत पाए गए जिस पर 11 प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों को जिला निर्वाचन अधिकारी ने खारिज कर दिया है। 4 प्रत्याशियों ने दो सेट पर नामांकन पत्र दाखिल किया था जिसमें उनके एक-एक सेट को निरस्त कर दिया गया 40 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र जांच के बाद सही पाए गए है तीनों विधानसभा सीट से 40 नामांकन वैद्य पाए गए है जिसमें से शेष बचे विधानसभा मंझनपुर से प्रत्याशी चुनाव मैदान में है चायल विधानसभा से शेष बचे प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं और विधानसभा सिराथू में शेष बचे प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जिले में कुल 40 प्रत्याशी चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं अब किसके सिर ताज सजेगा यह तो चुनाव परिणाम के बाद ही तय होगा। मंझनपुर विधानसभा से सपा प्रत्याशी इंद्रजीत सरोज, बसपा प्रत्याशी नीतू कनौजिया, भाजपा प्रत्याशी लाल बहादुर, कांग्रेश प्रत्याशी अरुण विद्यार्थी सहित निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में प्रचार कर रहे हैं वही सिराथू विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सपा अपनादल गठबंधन प्रत्याशी पल्लवी पटेल बसपा प्रत्याशी मुंसिफ उस्मानी कांग्रेसी प्रत्याशी सीमा देवी सहित निर्दलीय प्रत्यासी चुनाव मैदान में है और चायल विधानसभा से बसपा प्रत्याशी अतुल द्विवेदी सपा प्रत्याशी पूजा पाल कांग्रेस प्रत्याशी तलत अजीम और अपना दल भाजपा गठबंधन प्रत्याशी नागेंद्र सिंह पटेल निर्दल प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे सिराथू विधानसभा से बसपा प्रत्याशी रहे संतोष तिवारी को बदलकर उसकी जगह मुंसिफ उस्मानी को प्रत्याशी बनाया गया है सिराथू विधानसभा से बसपा प्रत्याशी संतोष तिवारी को पार्टी ने प्रत्याशी नहीं माना है उनका नामांकन खारिज हो गया है राम मूरत निर्दलीय और सना बेगम का भी नामांकन सिराथू विधानसभा से खारिज हो गया है इसी तरह मंझनपुर विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी सुरेंद्र कुमार लाल बहादुर धर्मेंद्र कुमार सुकरी देवी राम भजन शशि कुमार का नामांकन पत्र खारिज हो गया है चायल विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी सतीश कुमार और महेश कुमार का नामांकन पत्र भी खारिज हो गया है।

दो बाइक की भिड़ंत में दोनों बाइक सवार हुए घायल

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के डोरमा गांव के पास दो बाइकों की आपस की भिड़ंत हो गई है इस हादसे में दोनों बाइक सवार घायल हो गए है जिन्हें मौके पर पहुंचे स्थानीय राहगीरों और ग्रामीणों ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया जिनमें अनिल पुत्र राम बहोरी निवासी अटसराय और दूसरा बाइक सवार कानपुर देहात का बताया जा रहा है जिसका नाम पता खबर लिखे जाने तक नहीं मिल सका है जानकारी के अनुसार दोनों बाइक सवार खतरे से बाहर बताए जाते हैं।

खाली पड़ी रह गई कुर्सियां नहीं आईं सपा प्रत्याशी पूजा पाल

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। चायल विधानसभा के बलीपुर टाटा गांव में समाजवादी पार्टी की चायल प्रत्याशी पूजा पाल की जनसभा आयोजित थी कार्यक्रम स्थल पर पंडाल बनाए गए थे और कुर्सियां सभा स्थल पर लगाई गई थी और गांव के लोग भी एकजुट होने लगे थे लेकिन इंतजार करते-करते देर रात हो गई लेकिन 4:00 बजे के आयोजित कार्यक्रम के बावजूद पूजा पाल 8:00 बजे तक बालीपुर टाटा गांव में कार्यक्रम स्थल पर नहीं पहुंची है जिससे कार्यकताओं में मायूसी छा गई है और पूजा पाल के विरोध में बातें करते कार्यकर्ता वापस घर को लौट गए हैं।

समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी पूजा पाल के सामने आखिर कौन सी मजबूरी थी जिससे कार्यक्रम आयोजन के बाद भी वह सभा स्थल पर नहीं पहुंची है आज दिनांक 09 फरवरी को पूजा पाल का जनसंपर्क कार्यक्रम चायल विधानसभा क्षेत्र के बलीपुर टाटा गांव में लगा हुआ था लेकिन सपा प्रत्याशी पूजा पाल कार्यक्रम स्थल पर नहीं पहुँची हैं कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई कुर्सियां खाली पड़ी रह गई सपा प्रत्याशी पूजा पाल के कार्यक्रम स्थल पर ना पहुंचने से कार्यकताओं में काफी निराशा देखने को मिली है।

कार्यक्रम स्थल पर खाली पड़ी कुर्सी

सार्वजनिक रास्ते को दबंगों ने किया बन्द, शिकायत

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के देवरा गांव में मंगली प्रसाद श्रीवास्तव के घर के आगे पीछे दोनों तरफ लम्बे अरसे से सड़क है मंगली प्रसाद श्रीवास्तव कानपुर चले गए थे इसी का फायदा उठाते हुए गांव के बबलू प्रजापति ने मंगली प्रसाद के घर के पीछे के रास्ते को बंद कर दिया है और सड़क पर दीवार उठा कर गेट लगाकर सड़क की जमीन को अपने घर के भीतर शामिल कर लिया है जिससे मंगली प्रसाद सहित तमाम लोगों को आने जाने में दिक्कत होती है मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस चौकी टेवा से की गई शिकायत मिलने के बाद टेवा पुलिस जांच करने गांव पहुंची 4 दिन पूर्व अवैध तरीके से सड़क की जमीन में कब्जा कर नाली आदि को बंद करने जमीन को समतल करने की जानकारी कई दर्जन ग्रामीणों ने पुलिस को दी लेकिन उसके बाद भी पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया बल्कि शिकायतकर्ता को वापस लौट जाने पर विवश कर दिया है चौकी पुलिस से न्याय न मिलने पर मंगली प्रसाद श्रीवास्तव के परिजनों ने उप जिलाधिकारी मंझनपुर और पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर अवैध तरीके से सड़क पर गेट लगाए जाने के मामले में आरोपी बबलू प्रजापति पर कार्यवाही करते हुए रास्ते को खाली कराए जाने की मांग की है इस मामले में स्थानीय पुलिस चौकी टेवा की भूमिका सवालों के घेरे में है।

पल्लवी पटेल के नामांकन में समाजवादी पार्टी के बड़े नेताओ का ना पहुंचना दे रहा बड़ा संकेत

कौशांबी। समाजवादी पार्टी ने सिराथू विधानसभा से डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के विरोध में अपना दल कृष्णा गुट की पल्लवी पटेल को प्रत्याशी घोषित कर दिया है पल्लवी पटेल ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुँचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है लेकिन पल्लवी पटेल के नामांकन के समय समाजवादी पार्टी का कोई भी बड़ा नेता नहीं दिखाई पड़ा है जिससे अपना दल कृष्णा गुट को टिकट दिए जाने के बाद समाजवादी पार्टी में भितरघात की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं पल्लवी पटेल भले ही कह रही हो कि कौशांबी उनकी ससुराल है लेकिन अपनी भाभी की एक झलक पाने के लिए भी समाजवादी पार्टी के समर्थक नहीं पहुंचे हैं नामांकन के समय अपना दल समाजवादी पार्टी के गठबंधन प्रत्याशी पल्लवी पटेल के साथ समाजवादी पार्टी के नेताओं की इतनी बेरुखी किसी बड़े परिवर्तन के संकेत दे रहे हैं।

रणधीर सिंह चौहान अध्यक्ष और शिशिर कुमार बने जिला महासचिव

कौशांबी। भारतीय किसान यूनियन ने रणधीर सिंह चौहान को जिला अध्यक्ष और शिशिर कुमार उर्फ नमो जी को पार्टी का जिला महासचिव घोषित किया है रणधीर सिंह चौहान के जिला अध्यक्ष और शिशिर कुमार के जिला महासचिव घोषित किए जाने के बाद उनके समर्थकों में जश्न का माहौल है प्रदेश अध्यक्ष अरुण सिंह ने पत्र जारी कर सूचना दी है जैसे ही भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों समर्थकों को नवनियुक्त पदाधिकारियों के नियुक्ति की जानकारी हुई है लोगों ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया है इस मौके पर महासचिव शिशिर कुमार ने कहा कि किसानों के हित के लिए हमेशा आवाज बुलंद करते रहेंगे उन्होंने कहा कि किसानों को यदि किसी प्रकार की समस्या हो तो वह कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

राजस्व संपत्ति बचाने का डीएम का दिया गया आदेश हवा हवाई

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सरकारी राजकीय संपत्तियों को बचाने में तहसील प्रशासन पूरी तरह से लापरवाह है जिससे राजकीय संपत्तियों में कब्जा करने वालों के हौसले बुलंद हैं आए दिन सरकारी संपत्तियों में कब्जे हो रहे हैं और सरकारी संपत्तियों को बचाने के जिम्मेदार सांठगांठ कर अभिलेखों में हेराफेरी कर अधिकारियों से लेकर शासन तक को गुमराह करने में संकोच नही कर रहे हैं फिर भी राजकीय संपत्ति बचाने में लापरवाह अधिकारियों कर्मचारियों पर ठोस कार्यवाही नहीं हो रही है जिससे राजकीय संपत्तियों का लगातार अहित हो रहा है तमाम मामले सामने आने के बाद भी दोषियों पर ठोस कार्यवाही नहीं हो रही है ताजा मामला मंझनपुर तहसील क्षेत्र के नगर पालिका परिषद मंझनपुर अंतर्गत ओसा का है जानकारी के मुताबिक मंझनपुर तहसील क्षेत्र के नगर पालिका परिषद मंझनपुर अंतर्गत ओसा ग्राम सभा की आराजी संख्या 750 मॉडल स्कूल हेतु अधिकृत किया गया है लेकिन इस भूमि पर जितेंद्र उर्फ गोपाल वा शैलेन्द्र कुमार आदि जबरिया कब्जा कर रहे हैं मामले की शिकायत दीपू तिवारी आदि ने जिला अधिकारी से की इस मामले में दीपू तिवारी ने जिला अधिकारी के न्यायालय में मुकदमा भी दाखिल किया मुकदमे की सुनवाई के दौरान जिला अधिकारी ने 26 जुलाई 2021 को दिए गए अपने आदेश में स्पष्ट लिखा है कि प्रश्न गत प्रकरण में राजकीय संपत्ति का हित निहित है अतः किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी और उप जिलाधिकारी मंझनपुर को निर्देशित किया जाता है कि वह रिट याचिका संख्या 65 460 सन 2013 में पारित आदेश दिनांक 13 अप्रैल 2018 के विरुद्ध उच्च न्यायालय में स्पेशल अपील अभिलंब दाखिल करना सुनिश्चित करें जिला अधिकारी न्यायालय ने अपने आदेश में लिखा है कि किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी लेकिन जिलाधिकारी द्वारा जारी किए गए आदेश के 6 महीने बाद भी उप जिला अधिकारी मंझनपुर ने उक्त भूमि को बचाने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की है जिससे भू माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और उन्होंने सरकारी संपत्ति पर 2 दिन से फिर कब्जा करना शुरू कर दिया है आखिर राजस्व की संपत्तियों को बचाने में तहसील प्रशासन द्वारा इतना हीला हवाली क्यों की जा रही है यह बड़ी जांच का विषय है और जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश वाद संख्या 00 297 सन 2021 को संज्ञान लिया तो उप जिला अधिकारी की लापरवाही उजागर होना तय है लेकिन क्या जिलाधिकारी अपने आदेश को पुनः संज्ञान लेंगे या फिर जिलाधिकारी के आदेश उप जिला अधिकारी रद्दी में डाल कर लापरवाह बने रहेंगे और राजकीय संपत्ति का अहित होता रहेगा यह राजस्व व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है।

6 महीने बीत जाने के बाद भी डीएम के आदेश पर रत्ती भर आगे नहीं बढ़ सके मंझनपुर उप जिलाधिकारी

राजस्व विभाग से सांठगांठ कर सरकारी भूमि पर फिर शुरू हुआ अवैध कब्जा

आरपीआई जिलाध्यक्ष ने भाजपा को सौपा समर्थन पत्र सौंपा

समर्थन पत्र सौंपते आरपीआई जिला अध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में विभिन्न पार्टियों में आस्था रखने वाले तमाम लोग अपने विचारधारा से मिलने वाले पार्टी और प्रत्याशियों के साथ शामिल और समर्थन दे रहे हैं आज उस कड़ी में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के राष्ट्रीय राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले के निर्देश के अनुपालन में कौशांबी के जिला अध्यक्ष रमेश प्रसाद केसरवानी के नेतृत्व में पार्टी का एक शिष्टमंडल भारतीय जनता पार्टी के कौशांबी जिला अध्यक्ष अनीता त्रिपाठी से संपर्क कर समर्थन पत्र सौंपने के लिए सिराथू स्थित केंद्रीय कार्यालय पहुंचे अनीता त्रिपाठी के अनुपस्थिति में पार्टी के जिला उपाध्यक्ष धर्मराज मौर्य को आरटीआई का शिष्टमंडल समर्थन पत्र सौंपकर सहयोग प्रदान करने की पेशकश की है।

साहब मीटिंग में डॉक्टर निजी नर्सिंग होम में अस्पताल में तड़प रहे मरीज!

सरकारी अस्पतालों को दुर्दशा में ढकेल कर सरकारी चिकित्सक निजी नर्सिंग होम में मस्त

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो गई है सरकारी अस्पतालों में तैनात चिकित्सक निजी नर्सिंग होम में सेवा देकर दोहरा लाभ उठा रहे हैं और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से लेकर अपर चिकित्सा अधिकारी सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों के कृत्य पर नजरअंदाज कर रहे हैं जिससे सरकारी अस्पताल में मरीज तड़प रहे हैं सरकार की पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था कौशांबी जिले में चौपट हो गई है अवैध तरीके से चलने वाले निजी नर्सिंग होम और झोलाछाप डॉक्टरों की बाढ़ आ गई है जिनसे अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रत्येक महीने एक निर्धारित रकम की अवैध वसूली की जाती है जिले में सब कुछ बेखौफ तरीके से हो रहा है

अस्पताल परिसर में चिकित्सक का इंतजार करते मरीज

लेकिन फिर भी जिला प्रशासन अनजान बन कर शासन को झूठी रिपोर्ट देकर गुमराह कर रहा है सरकारी चिकित्सकों के लापरवाही के चलते तड़प रहे मरीजों को महंगा इलाज के लिए निजी नर्सिंग होम में मजबूरन जाना पड़ रहा है आखिर इस चौपट स्वास्थ्य व्यवस्था के जिम्मेदारों पर योगी सरकार कब कठोर कार्यवाही करेगी ताजा मामला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज का है जहां पूरे दिन अस्पताल में एक भी चिकित्सक नहीं पहुंचे हैं जबकि इस अस्पताल में चिकित्सक कर्मचारियों सहित एक दर्जन लोगों को प्रत्येक महीने वेतन दिया जा रहा है अस्पताल परिसर में कई मरीज तड़पते देखे गए हैं जिन्हें लाल पीली दवाएं देने वाला भी इस सरकारी अस्पताल में कोई मौजूद नहीं था।

ओपीडी कक्ष से नदारत रहे कर्मी प्रभारी को ताक पर रख कर रहे नौकरी

कौशाम्बी। चायल तहसील के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज में लापरवाह स्वास्थ्य कर्मी ओपीडी कक्ष में नही बैठते प्रभारी डॉ सुनील कुमार ऑनलाइन मीटिंग कर रहे थे और महिला डॉक्टर गायब थी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात कर्मी अपने मन मौजी काम कर रहे हैं ओपीडी कक्ष में कोई मौजूद नहीं होने के कारण मरीज बाहर घंटो से इंतजार कर रहे हैं फिर भी ओपीडी में मरीज को देखने कोई नही पहुंचा इस तरह की लापरवाही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात स्वास्थ्य कर्मी कर रहे है जिससे सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था से मरीजों का विश्वास उठ रहा है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज में सालों से खराब पड़ा है हैंड पम्प

कौशाम्बी। मरीजों को पानी के लिए अस्पताल से बाहर जाना पड़ता है प्रभारी अधिकारी के कक्ष के बगल में ही हैंडपंप लगा है लेकिन हैंडपंप खराब है अधिकारी की नजर आज तक नही पड़ी है विभाग के लिए समरसेबल लगा है लेकिन उससे मरीजों को पानी नहीं मिल पाता है।

डिप्टी सीएम के पुत्र योगेश मौर्या के पार्टी छोड़ने की बात निकली हवा हवाई

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशांबी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भारतीय जनता पार्टी से सिराथू विधानसभा से विधायक पद के प्रत्याशी हैं उनका प्रचार प्रसार तेजी से चल रहा है चायल विधायक संजय गुप्ता डिप्टी सीएम के पुत्र योगेश मौर्या भाजपा जिला अध्यक्ष अनीता त्रिपाठी धर्मराज मौर्या पूर्व विधायक शीतला प्रसाद पटेल समेत तमाम दिग्गज नेता डिप्टी सीएम के चुनाव प्रचार में लगे हैं लेकिन इसी बीच किसी शरारती तत्व ने यूट्यूब में अफवाह फैलाने की कोशिश की है कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के पुत्र ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया है इस बात का खंडन डिप्टी सीएम के पुत्र ने किया है डिप्टी सीएम के पुत्र योगेश मौर्या के मीडिया प्रभारी भाजपा नेता सूरज विश्वकर्मा ने कहा है कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की बढ़ती लोकप्रियता से विपक्षी बौखला गए हैं विपक्षी दल के प्रत्याशियों और उनके समर्थकों को मानसिक दिवालियापन आ गया है और मानसिक दिवालियापन के चलते विपक्षी उल जलूल बातें करने लगे हैं उनका कहना है कि विपक्षियों का काम सच्चाई से हटकर उल जलूल बातें कर आम जनता का मन भड़काने का काम किया जा रहा है लेकिन आम जनता सब सच्चाई जानती है उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम के पुत्र भाजपा में थे भाजपा में है और भाजपा में रहेंगे उन्होंने कहा कि जनता के बीच झूठा प्रचार कर विपक्षी हताशा का परिचय दे रहे हैं और विपक्षी दल के नेताओं कार्यकताओं को अभी से एहसास होने लगा है कि विधानसभा चुनाव में विपक्ष के नेताओं की करारी हार होना तय है उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या सिराथू विधानसभा सीट से ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगे।

डिप्टी सीएम के पुत्र के मीडिया प्रभारी ने कहा कि डिप्टी सीएम के पुत्र भाजपा में थे भाजपा में है और भाजपा में रहेंगे

विपक्षी दल के नेताओं कार्यकताओं को अभी से एहसास होने लगा है कि विधानसभा चुनाव में विपक्ष के नेताओं की करारी हार होना तय है

संपादक की कलम से

फिर कश्मीर राग

दुनिया भर में कश्मीर के मुद्दे पर दुत्कारे जाने के बाद अब पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को लेकर चीन की चौखट पर पहुंचा है। हालांकि, यहां भी उसे आश्वासन और एक बयान के अलावा कुछ खास हासिल नहीं हुआ। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान विटंर ओलंपिक की ओपनिंग सेरेमनी में शामिल होने के लिए चार दिन के दौरे पर बीजिंग पहुंचे थे। इसके आखिरी दिन उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इमरान ने इस मुलाकात में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे में आ रही अड़चनों और चीनी वर्कर्स पर बार बार हो रहे हमलों के बारे में भी बात की। कश्मीर को लेकर चीन की तरफ से कहा गया कि वो किसी भी एकतरफा कार्रवाई का विरोध करता है और कश्मीर मुद्द को ठीक से और शांति से हल करने का आह्वान करता है। इससे पहले भी इमरान कई फोरम पर कश्मीर का मुद्दा उठा चुके हैं, मगर हर जगह से उन्हें नाकामी हाथ लगी। थक हारकर उन्होंने अपना स्टैंड बदला और यह कहा कि वे भारत के साथ अच्छे रिश्ते बनाए रखने और कश्मीर सहित सभी मसलों को बातचीत के जरिए सुलझाने के पक्ष में हैं, अगर भारत एक कदम बढ़ता है तो हम दो कदम बढ़ेंगे। उनके इस कथन में भी कश्मीर राग छिपा था, सो भारत ने उनकी पहल को नकार दिया। भारत का शुरू से दृढ़ मत रहा है कि कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। भारत हमेशा से कहता आया है कि कश्मीर मसले पर वह पाकिस्तान के साथ बातचीत को हमेशा तैयार है, लेकिन इसके लिए सबसे पहले वह सीमापार आतंकवाद को बंद करे। लेकिन जब इमरान यह तक कह रहे हैं कि पाकिस्तान कश्मीरी लोगों को नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन देता रहेगा, तो फिर कश्मीर मसला बातचीत से सुलझाने की गुंजाइश ही कहां रह जाती है! साफ है कि पाकिस्तान वही करेगा जो अब तक करता आया है। पाकिस्तान में पीटीआई की सरकार बनी ही सेना के समर्थन से है। इसलिए कश्मीर मसले पर सरकार का रुख सेना से अलग कैसे हो सकता है! पाकिस्तान की सेना कश्मीर को भारत के खिलाफ बड़े हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की रणनीति पर चलती आई है। पाकिस्तान का इतिहास बताता है ।

मेरी आवाज ही पहचान है, कर याद रहे

-ऋतुपर्ण दवे-

स्वर कोकिला, स्वर साम्राज्ञी, हर दिल अजीज, सुरों की मलिका, हर किसी को अपनी आवाज से गुनगुनाने को मजबूर करने वाली अजीम शख्सियत लता दीदी कहें, लता ताई या लताजी नहीं तो लता मंगेशकर कुछ भी कह लें, बड़ी-ही खामोशी से खामोश हो गईं। जिसने भी सुना सन्न रह गया, हर किसी को अपनी आवाज से सुकून देने वाली जानी-पहचानी और सबसे अलग आवाज की ऐसी विदाई ने हर किसी को गमगीन कर दिया। सचमुच ऐसा लगता है कि एक युग का अंत हो गया। चीनी घुली वो मखमली आवाज जो उम्र के आखिरी मुकाम तक जस की तस बनी रही बल्कि जवाँ होती रही, सचमुच किसी वरदान से कम नहीं थी। इससे भी बढ़कर ये कहें कि दुनिया की उन चंद आवाजों में शुमार बल्कि वे इकलौती गायिका हैं, जिनके गीत चौबीसों घण्टे, अनवरत दुनिया भर में कहीं न कहीं अपनी मिठास घोलते रहते हैं। सच में लता मंगेशकर ने जो मुकाम हासिल किया वो सबसे ऊंचा था। अद्वितीय प्रतिभा की धनी लता जी की आवाज में जबरदस्त कशिश थी, मजाक में ही सही अक्सर इस बात पर भी चचाएँ सुनाई देतीं थी कि उनके गले पर रिसर्च होनी चाहिए। 1969 में पद्म भूषण, 1989 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार, 1999 में पद्म विभूषण, 2001 में भारत रत्न, 2008

में भारत की स्वतंत्रता की 60 वीं वर्षगांठ पर "वन टाइम अवार्ड फॉर लाइफटाइम अचीवमेंट" सम्मान सहित न जाने कितने प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित लता दीदी भारत की वो अनमोल रत्न थीं जो तीन पीढ़ियों से सारे देश पर अपनी आवाज से राज कर रहीं थीं। उनकी सौम्यता और प्रतिभा पर सबको फख्र है। लता जी वो सितारा हैं जो नाशवान शरीर के रूप में भले ही हमसे छिन गयी हों लेकिन अनंत में चमकते तारे के रूप में प्रकृति के साथ चमकती-दमकती रहेंगी। सच है कि एक सूरज, एक चाँद और एक ही लता मंगेशकर। कहने को तो हमेशा यह नारा सुनाई देता है कि जबतक सूरज-चाँद रहेगा, लता दीदी तेरा नाम रहेगा। लेकिन लता जी के लिए यह हकीकत है। उनकी जगह कोई ले पाए यह मुमकिन नहीं और कोई दूसरी लता मंगेशकर दुनिया में आ पाए यह नामुमकिन है। 8 दशकों के अपने संगीत के सफर में लता ताई ने सुरों की वो माला गूंथी और सुरों की जो बंदिगी की है वो बानगी है। अपने सुरों से ना सिर्फ प्लेबैक सिंगिंग को नये आयाम देने वाली बल्कि गायकों की तमाम पीढ़ियों को प्रोत्साहित करने वाली लता जी 28 सितंबर, 1929 को मध्य प्रदेश के इंदौर में एक मराठी परिवार में जन्मीं। जन्म के साथ उन्हें हेमा नाम दिया गया था लेकिन पिता को पसंद नहीं आया और उन्होंने नाम बदलकर लता रख दिया। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर मराठी रंगमंच से जुड़े थे। केवल 5 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ नाटकों में अभिनय किया और संगीत सीखने लगीं। जाने-माने उस्ताद अमानत अली खां से शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू किया लेकिन वो विभाजन के बाद पाकिस्तान चले गए। तब अमानत खां से संगीत शिक्षा ली। पंडित तुलसीदास शर्मा और उस्ताद बड़े गुलाम अली खां जैसी जानी-मानी शख्सियतों से भी संगीत के गुर सीखे। लता जी का शुरूआती सफर चुनौतियों से भरा हुआ था। बॉलीवुड में 1940 के दशक में प्रवेश के साथ वहाँ नूरजहां, शमशाद बेगम और जोहरा बाई अंबाले वाली जैसी वजनदार आवाज के सामने उनकी महीन आवाज फीकी लगी। लेकिन तब कौन जानता था कि इसी महीन आवाज की मल्लिका एक दिन दुनिया में अपना वो जादू ऐसा बिखेरेगी कि हर कोई उनकी आवाज का दीवाना बन जाएगा। तब इसी आवाज के चलते उनके कई मौके बेकार गए क्योंकि उस समय बहुत से फिल्म प्रोड्यूसरों और संगीत निर्देशकों को उनकी बहुत ऊंची और पतली आवाज पर भरोसा नहीं था। 1942 में 13 वर्ष की छोटी उम्र में सिर से पिता का साया उठने के बाद परिवार की जिम्मेदारी उन पर आ गई और एक बेहद कठिन इम्तिहान से गुजरना पड़ा। पूरा परिवार पुणे से मुंबई आ गया। जहाँ उन्हें फिल्मों में अभिनय से नापसंदगी के बावजूद परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाने की मजबूरी में अभिनय करना पड़ा। 1942 से 1948 के बीच लता ने लगभग आठ हिन्दी और मराठी फिल्मों में काम किया। आखिरकार 7 साल के संघर्ष के बाद वह दौर भी आया जब 1949 में फिल्म 'महल' के गाने 'आयेगा आने वाला ..' के बाद लता मंगेशकर बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने में सफल हुईं। इसके बाद वह राजकपूर की फिल्म 'बरसात' के गाने 'जिया बेकरार है', 'हवा मे उड़ता जाए' जैसे गीत गाने के बाद बॉलीवुड में एक सफल पार्श्व गायिका के रूप मे स्थापित हो गईं।

उन्होंने 36 भाषाओं में 30 हजार से ज्यादा गाने गाए हैं। 1991 में ही गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने माना था कि वे दुनिया भर में सबसे अधिक रिकॉर्ड की गई गायिका हैं। लता मंगेशकर को मिले पुरस्कारों की सूची बहुत बड़ी है। देश-विदेश में संगीत और गायन के क्षेत्र में मिले अनगिनत पुरस्कारों की भरमार है। उन्हें मिले पुरस्कारों को यदि संग्रहित किया जाए तो यह भारत की अनमोल विरासत वाला नया म्यूजियम होगा। लता ताई को बस एक अफसोस ताउम्र रहा कि रियाज में कभी भी कमी नहीं करने वाली और बहुत छोटी उम्र में जिस शास्त्रीय संगीत को सीखा, उससे वो दूर हो गईं। 1942 से 2015 तक के लंबे करियर में 1942 में आई मराठी फिल्म 'पहली मंगलागौर' में गाना गाया।

गुलामी के प्रतीकों से लगाव की दूषित मानसिकता

-डॉ राघवेंद्र शर्मा-

भारत में विभिन्न राष्ट्रीय पर्वों पर ढोए जाने वाले गुलामी के प्रतीक चिन्हों को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा तेजी से बदला जा रहा है। इससे गुलाम मानसिकता और भारत के बाहर स्थित अन्य राष्ट्रों में अपनी निष्ठाएं रखने वाले दलों व उनके नेताओं में बेचैनी का माहौल है। हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस मनाया गया तो उसके समापन समारोह पर होने वाली बीटिंग रिट्रीट में से एक ऐसे गीत को हटा दिया गया, जिसका भारतीय संस्कृति, स्वाभिमान अथवा संप्रभुता से किसी भी प्रकार का सरोकार नहीं था। उसे ब्रिटिश मूल के एक कवि द्वारा रचा गया था और वह केवल और केवल ब्रितानी साम्राज्य को ही समर्पित था तथा उससे गुलामी मानसिकता की बू आती थी। उसके स्थान पर एक ऐसा गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी' जोड़ा गया जो हमारी सेना के जवानों को समर्पित है। इस परिवर्तन को लेकर देशभर से जो बधाइयां और शुभकामनाएं संदेश आ रहे हैं, उन्हें देख सुनकर यह संतुष्टि प्राप्त होती है कि नागरिकों ने इस परिवर्तन को मुक्त कंठ से सराहा है और उसे हृदय से ग्रहण किया है। लेकिन यह जानकर आश्चर्य हुआ कि राष्ट्रीय निष्ठाओं के हित में किया गया यह परिवर्तन चंद राजनीतिक दलों, उनके नेताओं और उंगलियों पर गिने जा सकने वाले स्वयंभू प्रबुद्धजनों को रास नहीं आ रहा है। यह जानकर केवल बुरा ही नहीं लगा, मन व्यथित भी हुआ और अंतर्मन में यह सवाल उठ खड़ा हुआ कि देश के एक खास वर्ग, चुनिंदा राजनीतिक दलों और तथाकथित प्रबुद्ध जनों को वह सब क्यों भाता है, जिसे स्मरण करने मात्र से दासता अथवा गुलाम मानसिकता के जीवंत बने रहने का एहसास पैदा होता है। कौन हैं यह लोग? जो राष्ट्रीय स्वाभिमान, संस्कार और संस्कृति को मानने वालों को हमेशा दकियानूसी, सांप्रदायिक और संकुचित मानसिकता वाली दक्षिणपंथी विचारधारा का पोषक साबित करने में जुटे रहते हैं। जहां तक मेरा अध्ययन है, ये शब्द उन नेताओं, राजनीतिक दलों और तथाकथित प्रबुद्ध जनों ने गढ़े हैं, जो खुद को वामपंथी विचारधारा का समर्थक मानकर गौरव का अनुभव करते हैं। यह खुद को वामपंथी मानें या फिर कुछ और, इसमें किसी को क्या एतराज हो सकता है? लेकिन इन्हें यह अधिकार किसने दिया कि जिनके विचारों से इनकी भारत के बाहर स्थित निष्ठाएं मेल नहीं खातीं, यह उन्हें दक्षिणपंथी, सांप्रदायिक और दकियानूसी शब्दों से पुकारना शुरू कर दें? सही बात तो यह है कि भारतीय संस्कृति में दक्षिणपंथी जैसी विचारधारा कोई थी ही नहीं और ना वर्तमान में ही है। किंतु हां, दो विचारधाराएं यहां लंबे अरसे से देखने को मिल रही हैं। इनमें से एक है सेक्यूलर वाद, जिसमें वामपंथी विचारधारा भी निहित है। इनका भारतीय संस्कृति और उसके गौरवशाली इतिहास से कोई लेना देना नहीं है। भारतीय शब्दावली में इसे धर्मनिरपेक्षता वाद कहा गया है। धर्म निरपेक्ष यानी कि जो धर्म से ही निरपेक्ष है, उस के पक्ष में कतई नहीं। दूसरी वह विचारधारा, जिसे इन्हीं के जैसे इतिहासकारों और तथाकथित प्रबुद्ध जनों ने राष्ट्रवाद का नाम दे रखा है। यह वह विचारधारा है जिसमें राष्ट्रीयता, अपनी संस्कृति और संस्कारों से प्रेम निहित हैं। इसमें धर्म युक्त आचरण अपेक्षित है और धर्म को सही मायने में दायित्व माना गया है। उदाहरण के लिए- पुत्र का पालन पोषण पिता का धर्म, माता पिता की सेवा पुत्र का धर्म, नागरिकों का हित करना राष्ट्र धर्म और राष्ट्र की रक्षा करना नागरिक का धर्म माना गया है। इनके लिए कहा जाने वाला दक्षिणपंथी अथवा राष्ट्रवादी शब्द सर्वथा गलत है। भारत का किसी भी वाद से कभी कोई लेना-देना रहा ही नहीं। पश्चिमी इतिहासों का अध्ययन करने के बाद हम यह पाते हैं कि 'वाद' का प्रादुर्भाव पश्चिमी मूल के 'इज्म' शब्द से हुआ है। यदि पश्चिमी इतिहासकारों द्वारा रचित साहित्य की बात करें तो उसमें 'इज्म' अथवा 'वाद' उस प्रक्रिया को कहा गया है, जो अपना अधिपत्य अथवा मत बलात स्थापित करने या फिर दूसरों पर थोपने हेतु बलपूर्वक अपनाई गई। इस दृष्टि से देखा जाए तो विदेशी और खासकर पश्चिमी सभ्यता से प्रभावित वामपंथियों, धर्मनिरपेक्षता वादियों द्वारा दिए गए राष्ट्रवाद जैसे शब्दों को सही नहीं ठहराया जा सकता। क्योंकि वाद अथवा इज्म हमारे संस्कार में कभी रहा ही नहीं। यदि अपवाद स्वरूप देश के किसी राजा, बादशाह या फिर सामंत ने इसे बलात थोपने के कुत्सित प्रयास किए भी, तो हमारे ही स्थानीय वीर योद्धाओं और विचारकों ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। इनमें महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी और चंदबरदाई जैसे महामानवों के नाम लिए जा सकते हैं। हमारे ऐसे अनेक पूर्वज और हम देश प्रेमी अथवा राष्ट्रीयता के विचार से हमेशा ओतप्रोत रहे। हमारे देश में पहले राजशाही रही हो अथवा वर्तमान में लोकशाही, यहां के किसी भी शासक ने दूसरे राष्ट्रों के प्रति कभी भी ऐसा कोई कृत्य किया ही नहीं, जिससे वाद या फिर इज्म की तोहमत हम पर लगती हो। कहने का आशय यह कि सेक्यूलर वादियों और वामपंथियों द्वारा थोपे गए जिस राष्ट्रवाद शब्द का उल्लेख हम स्वयं भी अक्सर अपने राष्ट्र प्रेम से युक्त व्यवहार को लेकर अपने लिए करते रहते हैं, वह शब्द हमारी संस्कृति, संस्कारों और व्यवहार के अनुकूल नहीं। क्योंकि हम राष्ट्रवादी हैं ही नहीं, या तो हम राष्ट्रीय हैं अथवा फिर राष्ट्रप्रेमी। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि जो लोग हमें दक्षिणपंथी अथवा दकियानूसी कहते हैं, वे वास्तव में वामपंथी और सेक्युलर वादी ही हैं।

प्रदेश को रेल विस्तार की जरूरत

-सुखदेव सिंह-

केंद्र सरकार द्वारा पारित बजट में इस बार भी हिमाचल प्रदेश के रेलवे ट्रैक में सुधार किए जाने के लिए कोई बजट न मिलना खेदजनक है। चुनावी समर नजदीक आते ही पठानकोट-जोगिंद्रनगर नैरोगेज रेलवे ट्रैक को लेह-लदाख तक जोड़ने के सर्वे शुरू हो जाते थे। जनता का मत मिलते ही नेताओं को ऐसे किसी भी सर्वे की पांच साल तक याद नहीं रहती थी। सर्वे किए जाने का सिलसिला पिछले कई दशकों से चलाकर पहाड़ की जनता के साथ भद्दा मजाक किए जाने की कोशिशें जारी हैं। केंद्र सरकारों ने कभी हिमाचल प्रदेश के इस नैरोगेज रेलवे ट्रैक को ब्राडगेज किए जाने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। लोकसभा सांसद पहाड़ की इस चिरलंबित मांग को संसद में उठाने में कामयाब नहीं हो पाए हैं। अगर सांसदों द्वारा जनता से किए गए वायदे स्मरण रहते तो इस रेलवे ट्रैक पर चलने वाली रेलगाड़ियों की आज हालत इतनी दयनीय नहीं होती। हिमाचल प्रदेश में उद्योग लगने से ही बेरोजगारी की समस्या का समाधान हो सकता है। आज इस रेलवे ट्रैक की हालत में सुधार करके पहाड़ की गरीब जनता को सहूलियतें पहुंचाए जाने की अधिक जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तक नहीं है। जनता को दूसरे राज्यों पर

इस सुविधा के लिए निर्भर होना पड़ता है। मंडी में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए कई बार भूमि चयन किया गया, मगर मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट तक को केंद्र सरकार से हरी झंडी नहीं मिल पाई है। हिमाचल प्रदेश में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं होने के बावजूद हमारी सरकारों का खजाना हमेशा खाली रहा है। देवभूमि के मंदिरों के प्रति देश-विदेश के लोगों की विशेष आस्था है। श्रद्धालु वर्ष भर मंदिरों में अपना शीश नवाने सहित पहाड़ की हसीन वादियों का लुत्फ उठाने के लिए आते हैं।

विदेशी पर्यटक भी रोजमर्रा की भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ क्षण निकालकर शांतिप्रिय प्रदेश में कुछ समय बिताना पसंद करते हैं। देवभूमि में मेहमानों को भगवान का दर्जा दिए जाने के बावजूद ऐसी घटनाएं घटित होती हैं जो कि शर्मनाक बात है। पर्यटकों के साथ बदसलूकी अक्सर की जाती है, वहीं कुछेक पर्यटक भी देवभूमि में गुंडागर्दी करने की फिराक में रहते हैं। पहाड़ी प्रदेश में कनेक्टिविटी की बड़ी समस्या का समाधान आज दिन तक कोई भी सरकार नहीं निकाल पाई है। सड़कों की हालत किसी से छुपी नहीं है। प्रदेश सरकार नए मोटर वाहन अधिनियम को लागू करके चालान राशि में बेतहाशा वृद्धि किए जाने का ऐलान कर चुकी है। चालान की राशि विदेशों की तरह की जा रही है और सड़कों का सुधार किए जाने के लिए कुछ नहीं किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की सरकार अपने खाली खजाने को भरने के लिए उद्योगपतियों को निवेश किए जाने का निमंत्रण दे चुकी है। धर्मशाला में आयोजित इन्वेस्टर मीट में देश-विदेशों के नामी उद्योगपति पहाड़ में निवेश किए जाने पर अपनी सहमति जता चुके हैं। पहाड़ों की चट्टानें अक्सर सड़कों पर गिरकर मौत का तांडव मचा रही हैं। सड़कों की दयनीय हालत है और प्रदेश का अपना कोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तक भी नहीं है। केवल मात्र रेलगाड़ी ही पर्यटकों सहित स्थानीय लोगों का यातायात का सस्ता साधन हुआ करती थी। कोरोना वायरस काल में इसे भी बंद कर दिए जाने की वजह से लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा था। प्रदेश सरकार ने निजी बस आपरेटरों के दबाव में आकर बेतहाशा किराया वृद्धि करके जनता के बजट को बिगाड़ने की कोशिश की है। बस किराए में बेतहाशा वृद्धि होने के बावजूद निजी बस आपरेटर हमेशा सरकार के खिलाफ विरोध करते हैं।

आम बजट 2022 में एमएसएमई क्षेत्र पर दिया गया है विशेष ध्यान

-प्रहलाद सबनानी-

भारत में एमएसएमई क्षेत्र कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार उपलब्ध कराने वाला क्षेत्र माना जाता है। एमएसएमई क्षेत्र में करीब 11 करोड़ लोगों को रोजगार प्राप्त होता है। एमएसएमई क्षेत्र का देश के सकल घरेलू उत्पाद में 30 प्रतिशत और देश के निर्यात में 48 प्रतिशत का योगदान रहता है। भारत में 6.3 करोड़ एमएसएमई इकाईयां कार्यरत हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में एमएसएमई क्षेत्र के महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 के आम बजट में इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है। कोरोना महामारी के काल में लागू किए गए देशव्यापी लॉकडाउन के चलते बहुत विपरीत रूप से प्रभावित हुए छोटे छोटे व्यापारियों एवं एमएसएमई इकाईयों को बचाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक आपात ऋण गारंटी योजना लागू की थी। इस योजना के अंतर्गत बैकों को यह निर्देश दिए गए थे कि छोटे व्यापारियों एवं एमएसएमई इकाईयों को उनका व्यापार पुनः खड़ा करने के उद्देश्य से उन्हें पूर्व में स्वीकृत ऋणराशि का 20 प्रतिशत, अतिरिक्त ऋण के रूप में प्रदान किया जाय एवं इस राशि की गारंटी केंद्र सरकार द्वारा उक्त योजना के अंतर्गत प्रदान की जाएगी। बैंकों को इस योजना के अंतर्गत 4.5 लाख करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत करने का लक्ष्य प्रदान किया गया था। ऋण के रूप में प्रदान की गई अतिरिक्त सहायता की राशि से देश में लाखों उद्यमों को तबाह होने से बचा लिया गया है। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि उक्त योजना द्वारा न केवल 13.5 लाख एमएसएमई इकाईयों को कोरोना महामारी के दौर में बंद होने से बचाया गया है बल्कि 1.5 करोड़ लोगों को बेरोजगार होने से भी बचा लिया गया है। इसी प्रकार एमएसएमई के 1.8 लाख करोड़ रुपए की राशि के खातों को विभिन्न बैंकों में गैर निष्पादनकारी आस्तियों में परिवर्तिति होने से भी बचा लिया गया है। उक्त राशि एमएसएमई इकाईयों को प्रदान किए गए कुल ऋण का 14 प्रतिशत है। इस योजना के अंतर्गत बैंकों द्वारा प्रदान की गई कुल ऋणराशि में से 93.7 फीसदी राशि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाईयों को प्रदान की गई है। छोटे व्यवसायी (किराना दुकानदारों सहित), फुड प्रोसेसिंग इकाईयों एवं कपड़ा निर्माण इकाईयों को भी इस योजना का सबसे अधिक लाभ मिला है। गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु एवं उत्तर प्रदेश में कार्यरत एमएसएमई इकाईयों ने इस योजना का सबसे अधिक लाभ उठाया है। उक्त योजना की अवधि 31 मार्च 2022 को समाप्त होने जा रही थी परंतु चूंकि एमएसएमई क्षेत्र में कार्यरत हासपीटलिटी उद्योग से सबंधित इकाईयां व्यापार के मामले में अभी भी कोरोना महामारी के पूर्व के स्तर को प्राप्त नहीं कर पाईं हैं अतः आपात ऋण गारंटी योजना की अवधि को 31 मार्च 2023 की अवधि तक बढ़ा दिया गया है।

आदरांजलि स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर...महका करेंगे

-राकेश कुमार वर्मा-

बसंतऋतु नवांकुरों की चैतन्यसता का प्रतीक है। स्व.र्णिम (हेमा अर्थात स्वतर्ण, लता जी के बचपन का नाम) लता की यशकाया से आलौकित यह प्रकृति विश्वक कल्याण के लिए कोलाहलपूर्ण संगीत से विरक्तस मानवीय गुणों का सृजन कर उसके उत्सौर्ग का आह्वान करती है। यह संयोग ही है कि जब देश ह्यङ्कितना बदल गया इंसान.. के सर्जक महान कवि प्रदीप की जयंती मना रहा था तभी लता जी का स्वयर उखड़ गया। आजादी का उत्सयव मनाने के लिए वाग्धाबरा की शक्ति, उसकी अनिवार्यता की पर्याय से किवदंती रहीं लता ने फिल्मड महिती मंगलागौर के ह्यनटकी चैगाची..ह्व गीत से इस जगत में पदार्पण किया। किताबी ज्ञान के विद्यालय से वंचित होने के बावजूद अल्पीायु में ही रागपूरिया धनाश्री के रियाज से लता ने वह मुकाम हासिल कर लिया जिसमें पंडित कुमार गंधर्व को कहना पड़ा-ह्यजिस कण(लयकारी का सूक्ष्मज भेद) या मुरकी को कण्ठम से व्यंक्ता करने में कुशल शास्त्रियों को आकाश-पाताल एक करने जैसी मशक्कशत करनी पड़ती है, लता उसे सहजता ही पूर्ण करती हैं। उनके सुर से प्रभावित उनके गुरु उस्ताशद बड़े गुलाम अली रियाज रोककर उनकी दाद देने को बाध्यउ होते हैं । गीतो की शाब्दिक शुचिता से उनका गहरा सरोकार था शायद इसलिए फिल्म ऑखो-ऑखों के एक गीत में ह्यचोलीह्व शब्दन की आपत्ति पर फिल्मसकार जे ओमप्रकाश को गीत के बोल ही बदलने पड़े। जटिल धुनों के जादूगर सलिल चौधरी का ह्यओ...सजना, बरखा बहार...सहजतापूर्वक पूर्ण कर उन्हें विस्मित करने वाली लता ....गैरों पे करम...., प्रभु तेरो नाम.....जिन्दहगी की न टूटे लड़ी ...जैसे गीतों में अपना लोहा मनवाया। जाहिर है इतनी बड़ी सख्सियत का जीवन भी रहस्यों से अछूता नहीं रहा। शहीद जैसी फिल्मोंज के निमार्ता शशधर की तरह बॉलीवुड के फ्यूजन किंग संगीतकार ओंकार प्रसाद नैयर भी लता के स्व र को मुफीद नहीं मानते। उन्हीं उनकी आवाज में पाकीजगी(गांभीर्य, पवित्रता) की गुरता लेकिन शोखी का अभाव नजर आता है।

स्वर साम्राज्ञी की संगीत साधना

-डॉ. दिलीप अग्निहोत्री-

एकबार किसी कार्यक्रम में लता मंगेशकर और अटल बिहारी वाजपेयी उपस्थित थे। लता मंगेशकर गायन और अटल बिहारी वाजपेयी अपने भाषण के लिए प्रसिद्ध थे। लता मंगेशकर ने अपने संबोधन में अटल जी की भाषण शैली को विलक्षण बताया था। इसके बाद अटल जी को बोलना था। उन्होंने अपने अंदाज में लता जी का सम्मान किया। कहा कि लता जी स्वर साम्राज्ञी हैं। जबकि मैं सस्वर और श्वसुर नहीं बन सका। उनका कहना था कि लता जैसा स्वर तो किसी का हो नहीं सकता, मैं तो भाषण दे सकता हूँ। अच्छा स्वर उनके पास नहीं है इसलिए सस्वर नहीं है। इसकी तुकबंदी में अटल जी ने श्वसुर शब्द का प्रयोग किया था। वह अविवाहित थे। इसलिए कहा कि श्वसुर बन नहीं सकते, सस्वर अर्थात अच्छा स्वर भगवान ने दिया नहीं। जबकि लता मंगेशकर को तो माता सरस्वती का वरद हस्त प्राप्त है। अटल बिहारी वाजपेयी विनोदपूर्ण ढंग से अपनी बात कही थी। किंतु इसमें पूरी वैचारिक गंभीरता थी। सच्चाई थी। ईश्वर प्रदत्त अपनी आवाज को लता मंगेशकर ने कठिन साधना से निखारा था। लता का जन्म मध्यमवर्गीय परिवार हुआ था। पहले उनका नाम हेमा था। नाटक का एक किरदार लतिका ऐसा पसंद आया कि इनका नाम लता हो गया। वह चार बहनों व एक भाई में सबसे बड़ी थीं। जब वह तेरह साल की थी, तब उनके पिता का निधन हो गया। जिसके बाद परिवार की ज़िम्मेदारी लता के ऊपर आ गई। लता ने संगीत और अभिनय की प्रारंभिक शिक्षा अपने पिता से ली थी। उनके साथ उनकी बहनें आशा भोंशले, उषा और मीना भी संगीत सीखा करती थीं।

पिता के आकस्मिक निधन के बाद लता ने परिवार की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली और छोटी उम्र में ही अपने करियर की शुरूआत की। साल 1942 में लता को एक मराठी फिल्म के लिए गाना का मौका मिला था। लेकिन फिल्म रिलीज होने से पहले ही किसी कारणवश फिल्म से गाना हटा दिया गया था। उन्होंने इस असफलता को अवसर में बदला। इसके बाद उन्हें कुछ हिन्दी और मराठी फि ल्मों में अभिनय करने का मौका मिला। अभिनेत्री के रूप में उनकी पहली फि ल्म पाहिली मंगलागौर थी। बाद में उन्होंने कई फि ल्मों में अभिनय किया जिनमें- मांझे बाल,चिमुकला संसार गजभाऊ, बड़ी माँ, जीवन यात्रा, माँद, छत्रपति शिवाजी शामिल थी। बड़ी माँ में लता के साथ उस समय की प्रसिद्ध गायक व अभिनेत्री नूरजहाँ थीं। 1945 में लता जी सपरिवार मुंबई आ गयी। यहां उन्होंने उस्ताद अमानत अली खान से शास्त्रीय संगीत की शिक्षा ग्रहण की। इस दौरान हिंदी फिल्म- आपकी सेवा में व पा लागूं कर जोरी में गीत गाया। इस गाने से प्रभावित होकर म्यूज़िक कंपोजर गुलाम हैदर ने उन्हें एक बड़ा ब्रेक दिया। फिल्म मजबूर में उन्होंने दिल मेरा तोड़ा मुझे कहीं का न छोड़ा गाना गाया। 1949 उनकी संगीत यात्रा में मील का पत्थर साबित हुआ। फिल्म महल के गाने आएगा आने वाला से उन्हें जबरदस्त प्रसिद्धि मिली। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। एक हजार से भी ज्यादा हिंदी फिल्मों और व करीब पैतीस भाषाओं में तीस हजार से अधिक गाने गाए हैं। लता मंगेशकर ने फिल्मों में गाना गाने के अलावा कुछ फिल्मों का निर्माण भी किया है, जिसमें साल 1953 में आई मराठी फिल्म 'वादाई', साल 1953 में ही आई हिंदी फिल्म झिंझर, साल 1955 में आई फिल्म कंचन और साल 1990 में आई फिल्म लेकिन आदि शामिल हैं। लता मंगेशकर को फिल्मों में उनके द्वारा दिए गए अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कार से सम्मानित किया गया। लता मंगेशकर को साल 1969 में पद्म भूषण पुरस्कार, साल 1989 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार , साल 1999 में पद्म विभूषण 1999 और साल 2001 में 'भारत रत्न' से भी सम्मानित किया गया।

NZ W vs IND W: साल की बेस्ट महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना पहले ODI में नहीं खेल पाएंगी, जानिए वजह

नई दिल्ली.ICC Women's Cricketer of The Year 2021 का खिताब जीतने वाली भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में नहीं खेल पाएंगी। मंधाना का न्यूजीलैंड के खिलाफ कम से कम पहले वनडे से बाहर होना तय है। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुता?बिक, मंधाना को अभी कुछ दिन और आइसोलेशन में रहना होगा। न्यूजीलैंड सरकार के क्वारंटीन नियमों के कारण मंधाना को एकमात्र टी20 से भी बाहर होना पड़ा था। इस मुकाबले में भारतीय टीम को बुधवार को 18 रन से हार का सामना करना पड़ा।भारत को न्यूजीलैंड दौरे पर 12 से 20 फरवरी तक पांच मैचों

की वनडे सीरीज खेलनी है। सीरीज के सभी मैच क्राइसटाउन के ओवल मैदान पर खेले जाएंगे। मार्च में न्यूजीलैंड में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप से पहले यह सीरीज भारतीय टीम के लिए काफी अहम मानी जा रही है।

ENG vs WI: वेस्टइंडीज दौरे के लिए इंग्लैंड टेस्ट टीम का ऐलान, जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड बाहर

नई दिल्ली. इंग्लैंड ने अगले महीने वेस्टइंडीज दौरे पर होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड को 16 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। इन दोनों अनुभवी तेज गेंदबाजों ने इंग्लैंड के लिए मिलकर अब तक 1177 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड की टीम गुरुवार को विंडीज दौरे के लिए रवाना होगी, जहां उसे एंटीगा में 8 मार्च से पहला टेस्ट मैच खेलना है। ऑस्ट्रेलिया के हाथों एशेज टेस्ट सीरीज में 0-4 से मिली हार के बाद टीम मैनेजमेंट में काफी बदलाव हुआ है। पिछले सप्ताह ही हेड कोच क्रिस सिल्वरवुड के इस्तीफे देने के बाद पॉल कॉलिंगवुड को टीम का अंतरिम कोच नियुक्त किया गया है।

इंग्लैंड मेंस टेस्ट टीम- जो रूट (कप्तान), जोनाथन बेयरस्टो, जैक क्रॉली, मैथ्यू फिशर, बेन फॉक्स, डैन लॉरेंस, जैक लीच, एलेक्स लीस, साकिब महमूद, क्रेग ओवरटन, मैथ्यू पार्किंसन, ओली पोप, ओली रॉबिन्सन, बेन स्टोक्स, क्रिस वोक्स, मार्क वुड।

AUS vs NZ: ऑस्ट्रेलिया का न्यूजीलैंड का दौरा हुआ रद्द, बड़ी वजह आई सामने

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम (Australian Cricket Team) को अगले महीने न्यूजीलैंड दौरे पर तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी थी। हालांकि अब यह दौरा रद्द कर दिया गया है। न्यूजीलैंड को 17, 18 और 20 मार्च को नेपियर में ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करनी थी। सीरीज को इसलिए रद्द ?की गई है क्योंकि मेजबान न्यूजीलैंड के पास खिलाड़ियों के आइसोलेशन के लिए जगह नहीं थी और ऐसे में न्यूजीलैंड क्रिकेट (हैं) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) ने मिलकर सीरीज को रद्द करने का निर्णय लिया।एनजेड के चीफ डेविड व्हाइट ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के दौरे को रद्द करने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं था क्योंकि देश में एंट्री करने के लिए सख्त नियम बनाए गए हैं। उन्होंने कहा,जब हमने इस दौरे को तय किया था तब हमें उम्मीद थी कि सीरीज के समय तक नियमों में बदलाव आ जाएगा।

PAK vs AUS: टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान स्क्वॉड का ऐलान, रेप के आरोपी को भी टीम में मिली जगह

नई दिल्ली. पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। पाक टीम को चार मार्च से पांच अप्रैल तक तीन टेस्ट, तीन वनडे और एकमात्र टी20 मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करनी है। ऑस्ट्रेलिया की टीम 1998 के बाद से पहली बार पाकिस्तान का दौरा करेगी। सीरीज की शुरुआत 4 मार्च से रावलपिंडी में होने वाले टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद टीम को कराची के नेशनल स्टेडियम में 12 से 16 मार्च तक दूसरा टेस्ट मैच खेलना है। दोनों टीमों के बीच तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच 21 से 25 मार्च तक लाहौर में खेला जाएगा। पाकिस्तान ने इस सीरीज की शुरुआत? से पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज शॉन टैट को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। पाकिस्तान ने 16 सदस्यीय टीम की कमान एक बार फिर से बाबर आजम को सौंपी है। सेलेक्टर्स ने रेप के आरोपी लेग स्पिनर यासिर शाह को भी टीम में शामिल किया है। हालांकि ?उसे रिजर्व खिलाड़ी

के रूप में टीम के साथ रखा गया है। पिछले साल दिसंबर में एक नाबालिग लड़की ने यासिर और उसके दोस्त पर रेप का आरोप लगाया था, जिसके बाद लेग स्पिनर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। टेस्ट टीम में यासिर के अलावा मोहम्मद अब्बास, कामरान गुलाम और सरफराज अहमद को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में चुना गया है।

पाकिस्तान की टेस्ट टीम: बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान (उपकप्तान), हारिस रऊफ, हसन अली, अब्दुल्ला शफीक, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, फवाद आलम, इमाम उल हक, अजहर अली, नौमान अली, साजिद खान, सऊद शकील, शाहीन शाह अफरीदी, शान मसूद, जाहिद महमूद।

रिजर्व खिलाड़ी: कामरान गुलाम, मोहम्मद अब्बास, नसीम शाह, सरफराज अहमद और यासिर शाह।

कामरान गुलाम, मोहम्मद अब्बास, नसीम शाह, सरफराज अहमद और यासिर शाह।

ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना आइसोलेशन पूरा करने के बाद 27 फरवरी को चार्टर्ड फ्लाइट से इस्लामाबाद पहुंचेगी, जहां एक दिन के होटल रूम-आइसोलेशन के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम पिंडी क्रिकेट स्टेडियम में प्रैक्टिस कर सकेगी। इससे एक दिन पहले ही ऑस्ट्रेलिया ने भी पाकिस्तान दौरे के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी। टीम की कमान पैट कमिंस के हाथों में ही है, जबकि उप-कप्तान स्टीव स्मिथ ही हैं।

IND vs WI: कोविड से उबरने के बाद फिटनेस हासिल करने के लिए जूझ रहे श्रेयस और धवन, जानिए पूरा मामला

नई दिल्ली. रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम के लिए अच्छी खबर सामने आई है। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले कोरोना संक्रमित पाए गए टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की कोविड रिपोर्ट नेगेटिव आई थी, जिसके बाद अब ये दोनों खिलाड़ी टीम के साथ ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लेते हुए नजर आए हैं। बीसीसीआई ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट से एक वीडियो शेयर की है, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने कोविड से उबरने के बाद की समस्याओं और अपने पहले ट्रेनिंग के बारे में बात की है।बीसीसीआई ने बुधवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले ट्वीट किया, शिखर धवन और श्रेयस अय्यर ने COVID-19 से उबर गए हैं और दूसरे वनडे से पहले टीम के साथ ट्रेनिंग किया है।"धवन और अय्यर दोनों को बाकी टीम के साथ ट्रेनिंग करते देखा गया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने

वाले धवन के लिए टीम में जगह बनाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। क्योंकि बतौर ओपनर केएल राहुल भी दूसरे वनडे से चयन के लिए उपलब्ध हैं। केएल राहुल व्यक्तिगत कारणों से सीरीज के पहले मैच का हिस्सा नहीं थे।

धवन और अय्यर दोनों ने हालांकि कहा कि वे ट्रेनिंग में भाग लेने के बजाय धीरे-धीरे चीजों को आगे बढ़ाएंगे।शिखर धवन ने कहा, 7-8 दिनों के बाद अपने कमरे से बाहर आना वास्तव में अच्छा लगता है। टीम के साथ फिर से ट्रेनिंग करना शानदार अहसास है। हम अभ्यास के पहले दिन बहुत अधिक एक्सरसाइज नहीं करने के प्रति सचेत थे।"अय्यर ने कहा, "हमें तीन राउंड के लिए जाने के लिए कहा गया था। शुरू में तो यह बहुत मुश्किल था लेकिन उसके बाद फेफड़े खुल गए। मैंने छोटे अभ्यास के साथ शुरुआत की और फिर अपने थ्रो डाउन विशेषज्ञों से कुछ गेंदें फेंकने के लिए कहा और फिर बल्लेबाजी करते हुए गति बढ़ाई।बता दें कि वनडे सीरीज के लिए चयनकर्ताओं से प्रमुख रूप से रोहित शर्मा और शिखर धवन को ओपनर के तौर पर शामिल किया था, जबकि रुतुराज गायकवाड़ बैकअप ओपनर थे, लेकिन धवन और गायकवाड़ कोरोना संक्रमित पाए गए थे तो फिर ऐसे में ईशान किशन को वनडे टीम में चुना गया, जिन्होंने पहले मैच में रोहित के साथ ओपनिंग की, जबकि केएल राहुल और मयंक अग्रवाल भी टीम के साथ जुड़ गए हैं और वे 9 फरवरी को होने वाले मैच के लिए उपलब्ध हैं।

IND vs WI: सूर्यकुमार ने माइकल बेवन से खुद की तुलना करने पर दिया शानदार जवाब, जानिए SKY ने क्या कहा

नई दिल्ली. भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और उन्होंने 34 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से नाबाद 36 रनों की पारी खेलकर टीम को 6 विकेट से शानदार जीत दिलाई। उनकी इस पारी के बाद सूर्यकुमार की तुलना ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइकल बेवन (Michael Bevan) से होने लगी है। उन्होंने इससे पहले, वनडे में भारत के लिए नंबर 3, 4, 5 और 6 पर भी बल्लेबाजी की है। लेकिन पहले वनडे के बाद बेवन से तुलना सूर्यकुमार को पसंद नहीं आया। मुंबई के बल्लेबाज ने हंसते हुए कहा कि उन्हें सूर्यकुमार ही रहने दें क्योंकि उन्होंने मुश्किल से भारत के लिए अब तक 5-7 मैच खेले हैं।

सूर्यकुमार मंगलवार को जब वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए तो एक जर्नलिस्ट ने उनसे ऐसा सवाल पूछा जिसका जवाब देते हुए वह खुद को भी हंसने से नहीं रोक पाए। जर्नलिस्ट ने सूर्यकुमार की तुलना माइकल बेवन के साथ की। लेकिन सूर्यकुमार ने अपने जवाब से सबका दिल लूट लिया। भारतीय बल्लेबाज ने कहा, %सर मुझे सूर्यकुमार यादव ही रहने दीजिए, मुश्किल से भारत के लिए 5-7 मैच खेले हैं। अगर मैं पहले भी बल्लेबाजी करता हूं, तो भी मैं (खुद को) एक्सप्रेस करने की कोशिश करूंगा और खुलकर ही खेलता रहूंगा।'भारत और वेस्टइंडीज के बाद दूसरा वनडे आज यानि के बुधवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना है। भारतीय टीम इस मैच में अजेय बढ़त लेने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। दूसरे वनडे में ओपनर केएल राहुल की वापसी हो सकती है और ऐसे में बल्लेबाजी क्रम में बदलाव होने की संभावना है।

IPL टीम अहमदाबाद का आधिकारिक नाम आया सामने, जानिए नया नाम

नई दिल्ली. आईपीएल 2022 (IPL 2022) की नई टीम अहमदाबाद फ्रेंचाइजी (Ahmedabad Franchise) के नाम की आधिकारिक रूप से घोषणा हो गई है। हार्दिक पांड्या की इस टीम का आधिकारिक नाम 'गुजरात टाइटंस' (Gujarat Titans) रखा गया है। स्टार स्पोर्ट्स पर बुधवार को टीम के नए नाम का ऐलान किया। इससे पहले ऐसी खबरें आई थी कि इस टीम का नाम अहमदाबाद टाइंटस है। लेकिन अब आधिकारिक रूप से इसका नाम 'गुजरात टाइटंस' रखा गया है।

गुजरात टाइटंस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से अपने नाम का ऐलान किया है। फ्रेंचाइजी ने कैप्शन में लिखा, 'शुभारंभ।% इससे पहले, आईपीएल में गुजरात की टीम 2016 और 2017 में रही थी। उस समय राजकोट फ्रेंचाइजी ने अपना नाम गुजरात लॉयंस रखा था और सुरेश रैना उसक टीम के कप्तान थे।

IPL 2022: 'पिछली बार धोनी की टीम ने फाफ को चुरा लिया था, लेकिन इस बार 1.5 करोड़ से ज्यादा ज्यादा खर्च करने पड़ेंगे'

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग की मेगा नीलामी 12-13 फरवरी के बीच बेंगलुरु में होने वाली है। दो नई टीमों (लखनऊ सुपर जायंट्स और अहमदाबाद) के आने से इस साल की नीलामी का महत्व और बढ़ गया है। फ्रेंचाइजी इस नीलामी में भी अपने कोर ग्रुप के खिलाड़ियों को अपनी टीम में फिर से शामिल करने के लिए उत्सुक होंगी। इस साल की मेगा नीलामी में 590 खिलाड़ी पर बोली लगेगी। इस लिस्ट में कई ऐसे खिलाड़ियों के नाम हैं, जिन्हें उनकी पिछली फ्रेंचाइजी लेना चाहेगी। इसी लिस्ट में चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार ओपनर फाफ डु प्लेसिस का नाम भी शामिल हैं, जिन्हें टीम अपना साइड में शामिल करने के लिए भरपूर प्रयास करेगी।

दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस पिछले कई वर्षों में सीएसके टीम के प्रमुख सदस्य रहे थे और उन्होंने आईपीएल 2021 खिताब जीतने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहां वह टूर्नामेंट के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। मेगा नीलामी में शामिल भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि डु

प्लेसिस के लिए बीडिंग वॉर (ज्यादा बोली लगने) की उम्मीद है। अश्विन ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर कहा, %%पिछली बार, सीएसके ने फाफ डु प्लेसिस को 1.5 करोड़ में चुरा लिया था। लेकिन इस बार, मैं उसके साथ उस प्रकार की चीजें होते नहीं देख रहा हूं। सीएसके के प्रशंसक निश्चित रूप से उन्हें अपनी विश लिस्ट में रखेंगे। अगर सीएसके इस बार फाफ डु प्लेसिस को खरीदना चाहती है, तो उन्हें पिछली बार के मुकाबले काफी ज्यादा खर्च करने के लिए तैयार रहना चाहिए। मेरी राय में फाफ डु प्लेसिस की काफी मांग होगी। अधिकांश टीमों द्वारा फाफ की मांग की जाएगी।सीएसके ने मेगा नीलामी से पहले रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी, मोइन अली और रुतुराज गायकवाड़ को रिटेन किया था।इससे पहले, अश्विन ने स्वीकार किया था कि वह चेन्नई सुपर किंग्स में वापसी करना चाहेंगे, लेकिन उन्होंने बताया कि टीम में मोईन की मौजूदगी के कारण यह कदम मुश्किल हो सकता है।

चयन के लिए महिला क्रिकेट टीम से सेलेक्टर्स ने रखी गंदे कामों की मांग, ऐसे हुआ खुलासा

नई दिल्ली .क्रिकेट एक ऐसा खेल है, जिसके फैंस सारी दुनिया में मौजूद हैं. हर कोई अपने देश की इंटरनेशनल टीम से खेलना चाहता है. श्रीलंका में भी क्रिकेट बहुत ही ज्यादा फेमस है. साल 2014 में श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने सेलेक्टर्स पर ऐसे आरोप लगाए थे, जिससे क्रिकेट जगत में भूचाल आ गया था.

महिला टीम ने लगाए थे ऐसे आरोप श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने 2014 में सेलेक्टर्स के ऊपर आरोप लगाए थे कि उन्हें टीम में जगह पक्की करने के लिए उन्हें शारीरिक संबंध बनाने को कहा गया था. उन्होंने आगे कहा कि जो महिला टीम ऐसा करेगी, उसे ही राष्ट्रीय टीम में जगह मिलेगी. महिला क्रिकेटरों ने कथित तौर पर कुछ चयनकर्ताओं की इन मांगों की शिकायत की है कि अगर वे टीम में जगह चाहती हैं तो उन्हें 'संतुष्ट' किया जाए. इस प्रकरण ने श्रीलंका क्रिकेट को झकझोर कर रख दिया था. इसके बाद श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड ने जांच के आदेश दिए थे.

बोर्ड ने दिए थे जांच के आदेश श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम (Sri Lanka Women Cricket Team Se& Scandal) के इस आरोप के बाद क्रिकेट की दुनिया में जैसे भूचाल सा आ गया. ये खबर पूरी दुनिया में आग की तरह फैल गई और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने तुरंत हरकत में आते हुए इसकी जांच के आदेश दे दिये. श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने उस वक्त के चीफ सेलेक्टर सनथ जयसूर्या समेत तीन अधिकारियों को इस मामले की जांच सौंपीइस तरह से मिला इंसाफ श्रीलंका को 1996 में वर्ल्ड कप जिताने वाले सनथ जयसूर्या (Sanath Jayasuriya) ने इस मामले की गंभीरता से जांच की और ठीक 7 महीने बाद वो निष्कर्ष पर पहुंचे.

जयसूर्या ने अपनी जांच में पाया कि इस मामले में 3 अधिकारी शामिल थे, जिसमें से दो अधिकारियों ने यौन उत्पीड़न के कुछ मामलों में शामिल रहे वहीं एक अधिकारी अनुचित व्यवहार का दोषी पाया गया जो यौन उत्पीड़न के दायरे में नहीं आता है. हालांकि जयसूर्या की कमेटी ने पाया कि किसी भी व्यक्ति से किसी तरह के शारीरिक संबंध बनाने का सबूत नहीं मिला. जयसूर्या की इस रिपोर्ट के बाद श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने दोषी पाए गए तीनों चयनकर्ताओं को तुरंत बर्खास्त कर दिया. इस तरह श्रीलंका की महिला खिलाड़ियों को इंसाफ मिला.

ऋद्धिमान साहा के लिए नेशनल टीम के दरवाजे बंद! श्रीलंका टेस्ट सीरीज में नहीं मिलेगी जगह, इस खिलाड़ी को मिलेगा मौका

नई दिल्ली .अनुभवी विकेटकीपर रिद्धिमान साहा ने बंगाल के रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। समझा जाता है कि भारतीय टीम मैनेजमेंट ने नेशनल सेलेक्टर्स को बता दिया है मौजूदा समय में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में शुमार 37 वर्षीय साहा उनके भविष्य की योजना में शामिल नहीं है और चार मार्च से मोहाली में श्रीलंका के खिलाफ शुरु होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए उनका चयन नहीं होगा। ऋषभ पंत टीम पसंदीदा विकेटकीपर हैं और आंध्र प्रदेश के कोना भरत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था। इस मामले की जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'टीम प्रबंधन के प्रभावशाली लोगों ने ऋद्धिमान को स्पष्ट रूप से बता दिया है कि वे आगे बढ़ना चाहते हैं और ऋषभ पंत के साथ कुछ नए बैक-अप (विकल्प) तैयार करना चाहते हैं। ऋद्धिमान को समझाया गया था कि उन्हें श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुना जाएगा क्योंकि अब समय आ गया है जब कोना भरत को सीनियर टीम के साथ अनुभव लेने का मौका मिले।

उन्होंने कहा, शायद यही कारण है, ऋद्धिमान ने बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष अभिषेक डालमिया और संयुक्त सचिव स्नेहाशीष गांगुली को सूचित कर दिया है वह 'निजी कारणों' से इस सत्र में रणजी ट्रॉफी नहीं खेलेंगे। यही कारण है कि चयनकर्ताओं (सीएबी) ने उनका चयन नहीं किया। वह चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।ऋद्धिमान साहा ने भारत के लिए 40 टेस्ट में तीन शतक की मदद से 1353 रन बनाए है। इस दौरान उनका औसत 30 से कम रहा है।

सार-समाचार

कोलंबिया में भूस्खलन, 14 लोगों की मौत, 30 अन्य घायल

बोगोटा. पश्चिमी कोलंबिया के रिसारल्डा विभाग के डोस्केब्राडास शहर में भूस्खलन में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। इसकी पुष्टि स्थानीय अधिकारियों ने की है।

विभाग की राजधानी परेरा की सरकार के सचिव अल्वारो एरियस ने मंगलवार को कहा, 14 लोग मारे गए हैं, जिनमें दो नाबालिग हैं और 30 से अधिक लोग घायल हैं। कुछ की हालत बहुत गंभीर है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने यह भी कहा कि मंगलवार तड़के हुए भूस्खलन के बाद भी कई लोग लापता हैं।रिसारल्डा के गवर्नर, विक्टर मैनुअल तामायो ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन आया और इसने घरों को तबाह कर दिया।अधिक भूस्खलन के जोखिम के कारण, तामायो ने कहा, एक निकासी और पुनर्वास प्रक्रिया को पूरा किया जाना चाहिए।पुलिस, नागरिक सुरक्षा, सेना, अग्निशमन विभाग और राज्य आपदा जोखिम प्रबंधन कार्यालय सहित अन्य के खोज और बचाव कर्मी आपदा स्थल पर मौजूद है।डिस्क्लेमर: यह आईएएनएस न्यूज फीड से सीधे पब्लिश हुई खबर है. इसके साथ न्यूज नेशन टीम ने किसी तरह की कोई एडिटिंग नहीं की है. ऐसे में संबंधित खबर को लेकर कोई भी जिम्मेदारी न्यूज एजेंसी की ही होगी.

इस कुत्ते को गाय समझने की भूल कर जाते हैं लोग, दिलचस्प है वजह

लंदन. ब्रिटेन में रहने वाला एक शख्स (British Man) जब अपने डॉग (Dog) को लेकर निकलता है तो कई बार लोग उसे गाय समझने की भूल कर जाते हैं. इसकी वजह है डॉग का साइज. दरअसल, ग्रेट डेन (Great Dane) नस्ल का ये कुत्ता सामान्य कुत्तों से काफी बड़ा है. जब वो अपने दोनों पैरों पर खड़ा होता है, उसकी लम्बाई छह फीट पहुंच जाती है.

हर जगह साथ जाता है डिएगो

'डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी लंदन (London) में रहने वाले कार्लोस डी सिल्वा (Carlos da Silva) का कहना है कि उनका कुत्ता 'डिएगो' जहां भी जाता है लोग दंग रह जाते हैं. कुछ उससे डर जाते हैं, जबकि कुछ उसके साथ सेल्फी लेने की इच्छा जताते हैं. डिएगो अपने मालिक के साथ हर जगह जाता है, चाहे वो रेस्टोरेंट हो, मोटरसाइकिल क्लब हो या फिर लॉन्ग ड्राइव.

पहली बार मिली गोल्ड मेम्बरशिप

कार्लोस ने कहा, 'द बाइक शेड' नामक क्लब के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी डॉग को गोल्ड मेम्बरशिप दी गई है. यहां मेरे और डिएगो के लिए एक टेबल भी रिजर्व रहती है'. कार्लोस को कुत्तों से बेहद प्यार है, लेकिन उनकी पत्नी शुरुआत में इसके लिए तैयार नहीं थीं. कार्लोस को अपनी वाइफ को मनाने के लिए 17 साल लगे. हालांकि, अब उन्हें डिएगो से इस कदर प्यार हो गया है कि वो उसके बिना जीने की कल्पना भी नहीं कर सकतीं.

गैस टैंक विस्फोट की खबरों के बीच, अमेरिकी दूतावास ने अबू धाबी में संभावित हमले की जारी की चेतावनी

वाशिंगटन. कल रात अबू धाबी में हुए गैस सिलेंडर में विस्फोट के बाद संयुक्त अरब अमीरात में अमेरिकी मिशन अलर्ट हो गई है। इस हमले के बाद अमेरिकी दूतावास ने देश में एक बड़ी आतंकी घटना की आशंका जताई है। दूतावास ने अमेरिकियों को एक संभावित नई मिसाइल या ड्रोन हमले की रिपोर्ट के बारे में चेतावनी जारी की है, जो अबू धाबी में हो सकती है।

क्या कहा अमेरिकी दूतावास ने

अमेरिकी दूतावास ने कहा ,'आज 9 फरवरी, 2022 को अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात में संभावित मिसाइल या ड्रोन हमले की खबरें हैं । आगे दूतावास ने लोगों से सतर्क रहने और सावधानी बरतने की बात करते हुए कहा,अमेरिकी नागरिकों को तुरंत सुरक्षा कार्रवाइयों का पालन करने और भविष्य में अतिरिक्त हमलों के मामले में सतर्क रहने की सलाह देता है।अमेरिकी मीडिया ने बताया कि यह चेतावनी अबू धाबी में हुए गैस टैंक विस्फोट के बाद जारी की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलहाल हाउती ने संयुक्त अरब अमीरात पर हमले के लिए तुरंत कोई जिम्मेदारी नहीं ली है।

हांगकांग में कोरोना का कहर, संक्रमण की नई लहर के बीच, हांगकांग ने कड़े किए COVID-19 प्रतिबंध

हांगकांग. वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। वायरस ने दुनिया भर के कई देशों को अपनी गिरफ्त में ले रखा है। वहीं बहुत से ऐसे देश है, जो कोविड-19 की बड़ी मार झेल रहे हैं। हांगकांग की बात करें तो यहां कोरोना वायरस का प्रकोप अपने चरम पर है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हांगकांग में कोविड-19 की नई लहर के बीच, तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए कोविड प्रोटोकाल कड़ा कर दिया गया है। देश में सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंधों में सख्ती बरती जा रही है।

कड़े प्रतिबंध किए जा रहे लागू

स्पुतनिक न्यूज एजेंसी ने हांगकांग की मुख्य कार्यकारी कैरी लैम का हवाला देते हुए बताया कि सरकार ने नई लहर में बढ़ते मामलों को देखते हुए सख्ती अपना रही है। वायरस के बढ़ते प्रसार को रोकने के लिए सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध कड़े कर दिए हैं। हांगकांग सरकार की वेबसाइट पर कैरी लैम ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि हम सभी को एहसास होगा कि हांगकांग के लिए कुछ सख्त कदम उठाने का समय आ गया है और अब हम जो भी उपाय पेश करते हैं, वे कुछ स्थानों और देशों सहित अन्य न्यायालयों में किए गए हैं, जिन्हें अपने मानवाधिकारों और उनके लोकतंत्र पर बहुत गर्व है। उन्हें बताया कि ऐसा करना इसलिए बेहद जरूरी है क्योंकि यह जीवन से संबंधित है।

हांगकांग में कोविड -19 मामले

एक दिन पहले, हांगकांग के सेंटर फार हेल्थ प्रोटेक्शन ने 625 अतिरिक्त कोविड-19 मामले दर्ज किए, जिनमें से 621 मामले स्थानीय और चार आयातित रिपोर्ट किए गए हैं। पिछले दो हफ्तों में हांगकांग में 2,628 COVID-19 मामले सामने आए हैं। समाचार एजेंसी ने कहा कि हांगकांग में महामारी की शुरुआत से अब तक 16,022 COVID-19 मामले रिपोर्ट किए जा चुके हैं, जिनमें 13,232 ठीक हुए हैं और 213 मौतें हुई हैं।

क्या हैं प्रतिबंध

सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ एकत्रित करने की अनुमति नहीं होगी।? लोगों की अधिकतम संख्या चार को घटाकर दो कर दिया गया है। निजी परिसरों में दो से अधिक घरों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाया गया है। मुख्य कार्यकारी कैरी लैम के अनुसार, प्रतिबंध के तहत सार्वजनिक स्थानों की सूची में अब पूजा स्थलों, शापिंग माल, सुपरमार्केट, वेट मार्केट, डिपार्टमेंट स्टोर, और हेयर सैलून को कवर किया गया है।?

अमेरिका में जंगली जानवरों के बीच पहुंचा कोविड-19, ओमिक्रोन वैरिएंट से हिरन हुआ संक्रमित

न्यूयार्क. अमेरिका में सफेद पूंछ वाले हिरन में ओमिक्रोन का संक्रमण मिला है। वहां किसी जंगली पशु में पहली बार यह वायरस पाया गया है। स्टेटन में हिरन में वायरस मिलने से इस थ्योरी को बल मिला है कि सफेद पूंछ वाले हिरन आसानी से संक्रमित हो सकते हैं। इससे चिंता बढ़ सकती है क्योंकि अमेरिका में हिरन मनुष्यों के निकट रहते हैं और वायरस संक्रमण फैलने तथा म्यूटेशन का कारण बन सकते हैं।

अनुसंधानकर्ता पहले ही बता चुके हैं कि 2020 के अंत में आयोवा और 2021 की शुरुआत में ओहियो में हिरनों में बड़ी मात्रा में संक्रमण पाया गया था। अमेरिकी कृषि विभाग ने देश के 13 राज्यों में हिरनों में संक्रमण की पुष्टि की है। अनुसंधानकर्ताओं का कहना है कि हिरनों में मनुष्यों से संक्रमण फैलता है और फिर वह अन्य हिरनों को संक्रमित करते हैं। अभी हिरनों से मनुष्यों में वापस संक्रमण फैलाने का कोई साक्ष्य अभी तक नहीं मिला है, लेकिन दीर्घ अवधि में हिरनों में संक्रमण का फैलाव वायरस को म्यूटेट होने का अवसर देगा

दोस्त ने बताया- एडल्ट साइट पर है तुम्हारी बेटी, कुछ ऐसा था पिता का रिएक्शन

वॉशिंगटन. अमेरिका की रहने वाली एक लड़की ने कमाई के लिए एक ऐसा रास्ता चुना, जिसे लोग सही नजरिए से नहीं देखते हैं. हालांकि इसके बावजूद वह कई सालों तक यह काम करती रही. दरअसल, Emily नाम की मॉडल ऑनली फैन (OnlyFans) एडल्ट साइट पर अपनी फोटोज शेयर करती थी.

पिता को उनके दोस्त ने दी बेटी की जानकारी

एक दिन एमिली (Emily) के पिता के दोस्त ने उन्हें OnlyFans साइट पर उनकी फोटो देख ली. इसके बाद उन्होंने एमिली के पिता को मैसेज किया कि तुम्हारी बेटी एडल्ट साइट' पर है. इस पर एमिली के पिता ने जो जवाब दिया, वह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

एमिली ने वीडियो शेयर कर बताई पूरी स्टोरी

मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, एमिली (Emily) ने खुद पूरी स्टोरी बताई है और अपने टिकटॉक अकाउंट पर इस घटना का वीडियो अपलोड किया है. एमिली ने बताया कि हाल ही में उनके पिता के दोस्त ने उनकी कुछ फोटोज को देखा और इसकी जानकारी मेरे पिता को दे दी.

पिता को पहले से थी जानकारी

एमिली (Emily) के पिता को उनके दोस्त ने उनकी बेटी के काम की जानकारी मैसेज करके दी, लेकिन हैरान होने वाली बात ये है कि ऑनली फैन (OnlyFans) एडल्ट साइट पर बेटी के अकाउंट की जानकारी उन्हें पहले से ही थी.

वायरल हो रहा पिता का रिएक्शन

एमिली (Emily) के पिता को उनके दोस्त ने मैसेज किया, 'तुम्हारी बेटी OnlyFans पर है.' इस पर एमिली के पिता ने जबाव दिया, 'मुझे पता है.' फिर उनके दोस्त ने कहा, 'ये काफी गंदा है, मैं तुमको इस बात का सबूत भेज सकता हूं.' इसके बाद एमिली के पिता ने कहा, 'तुमको उसके फोटो कैसे मिले?' इस पर उनके दोस्त ने कहा, 'मैंने OnlyFans पर उसे सब्सक्राइब कर लिया है. इसके बाद एमिली के पिता ने जो जबाव दिया, उससे उनका दोस्त हैरान रह गया. एमिली के पिता ने कहा, 'उसके बिजनेस के सपोर्ट करने के लिए धन्यवाद.'

तेजी से वायरल हो रहा है वीडियो

एमिली (Emily) का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और टिकटॉक पर उनके वीडियो को 24 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं. इसके साथ ही लोग फनी कमेंट कर रहे हैं और कई यूजर्स ने एमिली के पिता के इस कदम की तारीफ की है.

UK: पोर्न साइट इस्तेमाल के लिए अब देनी होगी क्रेडिट कार्ड डिटेल, बनाए गए नए नियम

लंदन. दुनिया भर में लोग पोर्न साइट (अश्लील सामग्री वेबसाइट) का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करते हैं. हालांकि, इन वेबसाइटों की तरफ से नाबालिगों से सामग्री न देखने की अपील की जाती है, लेकिन वह नाकाफी होती है. ऐसे में यह तय कर पाना बड़ा मुश्किल हो जाता है कि इन साइटों की इस्तेमाल कितने आयु वर्ग के लोग कर रहे हैं. ऐसे में यूनाइटेड किंग्डम (UK) की सरकार ने नए ऑनलाइन सुरक्षा विधेयक (ऑनलाइन सेफ्टी बिल) की घोषणा की है. इसके तहत पोर्न सामग्री पेश करने वाली वेबसाइटों को यूजर्स की उम्र का वेरिफिकेशन करना होगा.

बच्चों के पहुंच से एडल्ट कंटेंट दूर करना है प्राथमिकता सरकार के डिजिटल, मीडिया, संस्कृति और खेल विभाग (DCMS) ने नए नियमों की सुरक्षित इंटरनेट दिवस (सेफर इंटरनेट डे) के अवसर पर घोषणा की. सरकार इन नियमों के जरिए कम उम्र के बच्चों को वयस्क सामग्री (एडल्ट कंटेंट) तक पहुंचने से रोकना चाहती है.

देनी होगी क्रेडिट कार्ड की डिटेल

विभाग का कहना है कि उम्र के वेरिफिकेशन के लिए यूजर्स को अपने क्रेडिट कार्ड की डिटेल देनी होगी या किसी तृतीय-पक्ष सेवा (थर्ड पार्टी सर्विस) के माध्यम से अपनी उम्र का वेरिफिकेशन करना होगा. नए नियमों में कहा गया है कि जो वेबसाइट इस कार्रवाई करने में विफल रहती हैं, उन पर उनके वैश्विक कारोबार का 10 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है.

अगले महीने संसद में पेश होगा बिल

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ऑनलाइन सुरक्षा विधेयक को अगले कुछ महीनों में संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है और इसे यूजर्स को हानिकारक सामग्री से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है.

मास्को: मैक्रों-पुतिन मुलाकात, बैठक की तस्वीरों पर सोशल मीडिया पर लोगों ने यूं लिए मजे

मास्को. यूक्रेन को लेकर गतिरोध बरकरार है. रूस पर यूक्रेन की सीमा पर अपने सैनिकों को तैनात करने की खबरें लगातार सामने आ रही हैं, जिसको लेकर कहा जा रहा है कि वह यूक्रेन पर हमला कर सकता है. ऐसे में रूस और अमेरिका में ठनी हुई है. हालांकि, इसी बीच इस गतिरोध को कम करने के प्रयास में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मास्को में अपने समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की.

बैठक के बाद जारी की गई थी तस्वीर

बता दें कि जब से ये रिपोर्ट सामने आई है कि रूस ने यूक्रेन की सीमाओं के पास 100,000 से अधिक सैनिकों को जमा कर दिया है, तब से इस तनावपूर्ण स्थिति को कम करने के लिए राजनयिक स्तर पर लगातार बातचीत हो रही है. भले ही दोनों राष्ट्रपतियों की यह बैठक युद्ध जैसे हालात के बीच हुई हो, जिसमें अमेरिका और रूस ने यूक्रेन संकट पर एक-दूसरे को चेतावनी दी हैं. दोनों के बीच हुई इस मुलाकात के बाद सरकारी मीडिया ने एक तस्वीर जारी की है, जिसको लेकर सोशल मीडिया पर मजेदार बातें करते हुए मीम्स पोस्ट किए जा रहे हैं.तस्वीर ने सोशल मीडिया यूजर्स का खींचा ध्यान दोनों की इस तस्वीर ने बहुत से लोगों का ध्यान खींचा है. खासकर, बैठक के दौरान चर्चा किए गए मुद्दों पर नहीं, बल्कि जिस तरह से दोनों बैठे हुए हैं, इससे लोग ट्विटर पर पोस्ट कर, मजे ले रहे हैं. तस्वीर जारी होने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने ध्यान दिया कि मैक्रों और पुतिन से एक विशाल टेबल

पर काफी दूरी पर बैठे थे.

मीम्स बनाकर लोगों ने किए पोस्ट

इसके बाद लोगों ने मीम्स बनाकर पोस्ट करना शुरू कर दिया कि कैसे दोनों अपनी दूरी बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं. एक यूजर्स ने लिखा कि इतनी दूर बैठने से बेहतर था कि आपस में वीडियो कॉल ही कर लेते. ऐसे ही कई तरह के मीम्स यूजर्स ट्विटर पर पोस्ट कर रहे हैं.

आक्रमण के खतरे को कम करने के लिए यात्रा पर थे मैक्रों

बता दें कि मैक्रों ने अपने पश्चिमी समर्थक पड़ोसी पर रूसी आक्रमण की आशंकाओं को कम करने के उद्देश्य से इस सप्ताह की शुरुआत में मास्को की यात्रा पर थे. क्रेमलिन में पुतिन से एक लंबी मेज पर बैठे मैक्रों ने कहा कि वह यूरोप में गंभीर स्थिति से निपटने के लिए मास्को में थे.

हाउदी विद्रोहियों से निपटने के लिए यूएई में युद्धक विमान तैनात करेगा अमेरिका

दुबई

यमन के ईरान समर्थक हाउदी विद्रोहियों के हमले झेल रहे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की मदद अमेरिका करेगा। अमेरिका ने यूएई के आसपास अपने सबसे खतरनाक युद्धक विमानों एफ-22 और एक गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रायर की तैनाती का ऐलान किया है। साथ ही अमेरिका का युद्धक जलपोत

यूएसएस कोल यूएई के आसपास समुद्र में तैनात किया जाएगा।

अमेरिकी सेना के मध्य कमान ने मंगलवार को एक बयान जारी करके कहा कि इस समय संकट के समय एक मित्र को दूसरे मित्र की जरूरत है। अमेरिकी सेना की मध्य कमान के कमांडर केनेथ एम मैकेंजी इस समय संयुक्त अरब अमीरात के आधिकारिक प्रवास पर हैं। उन्होंने कहा कि यूएई इस समय हाउदी विद्रोहियों के मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहा है। इस कारण जानमाल का भी नुकसान हो रहा है। ऐसे में युद्धक विमान, युद्ध पोत और गाइडेड मिसाइड डिस्ट्रायर की तैनाती संयुक्त अरब अमीरात की हवाई रक्षा प्रणाली व आसपास के जल क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए है।

अमेरिकी जनरल ने कहा कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर दुश्मन के ड्रोन विमानों के उड़ाने भरने से पहले ही उन्हें तबाह करने का 'प्रभावी हल निकालने के लिए काम कर रहा है। इस तरह का सिस्टम ड्रोन विमानों को उड़ान भरते ही पकड़ लेगा।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
211019 से प्रकाशित
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506

यूक्रेन विवाद : पुतिन को लेकर फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के दावे को रूस ने नकारा

नया. रूस के राष्ट्रपति का कार्यालय (क्रेमलिन)ने फ्रांस के इस दावे को खारिज कर दिया है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन सीमा विवाद पर समझौते के लिए तैयार हैं. इससे पहले रूस-यूक्रेन सीमा विवाद का समाधान तलाशने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय पहल के तहत फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की. फ्रांस की तरफ से इस मुलाकात के बाद कहा गया कि पुतिन समझौता करने को तैयार हैं. वहीं, क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेसकोव ने कहा कि पुतिन ने मैक्रों से यह वादा वहीं किया है कि मॉस्को अभी के लिए यूक्रेन के आसपास सैन्य तैनाती नहीं करेगा.

सकोव ने कहा कि राष्ट्रपतियों की मुलाकात में रूस और फ्रांस अभी तक यूक्रेन के आसपास सैन्य तनाव को कम करने के लिए कोई समझौता नहीं कर सके हैं. दोनों नेताओं की हालिया बैठक ने उस मोर्चे पर आगे के काम के लिए आधार प्रदान किया था. अंतरराष्ट्रीय जगत में इसकी काफी जरूरत बताई जा रही है. बैठक को लेकर फ्रांस के अधिकारी ने कहा था कि पुतिन ने सोमवार शाम को मैक्रों के

साथ मॉस्को में लंबी बातचीत के दौरान तनाव कम करने का संकल्प लिया है.

बेलारूस से सैनिकों की वापसी पर असमंजस

अधिकारी ने बताया कि पुतिन ने इस बात पर भी रजामंदी जताई थी कि यूक्रेन की सीमाओं के पास बेलारूसी क्षेत्र में सैन्य अभ्यास में भाग लेने वाले सैनिकों को 20 फरवरी को वॉर गेम समाप्त होने के बाद वापस बुला लिया जाएगा. उन्होंने कहा कि अभ्यास के बाद सैनिक बिना किसी सटीक तारीख के रूस में अपने ठिकानों पर लौट आएंगे. उन्होंने बताया कि किसी ने कभी नहीं कहा था कि सेना बेलारूस में ही रहेगी.

रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों से मिले मैक्रों

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि उन्होंने पुतिन के साथ 'पर्याप्त और गंभीर' चर्चा की है. उसमें उन स्थितियों पर ध्यान केंद्रित किया गया जो डी-एस्केलेशन (सैनिको को पीछे खींचने की प्रक्रिया) में मदद कर सकती हैं. उन्होंने कहा, 'ये आने वाले दिन थोड़े मुश्किल होंगे और साथ बैठकर गहन चर्चा करना जरूरी रहेगा.' उन्होंने कहा कि रूस के साथ अच्छे-पड़ोसी वाले संबंधों के पुनर्निर्माण के प्रयास के लिए समाधान खोजना यूरोप का कर्तव्य है. इमैनुएल मैक्रों ने मॉस्को में व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक करने के कुछ घंटे बाद यूक्रेन जाकर वहां के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की के साथ भी बैठक की है.

अमेरिका और नाटो ने ठुकराई रूस की मांग

दरअसल रूस ने यूक्रेन से लगी सीमा पर एक लाख से अधिक सैनिकों की तैनाती कर दी है. जिनके पास हथियार भी हैं. अमेरिका ने दावा किया है कि रूस यूक्रेन पर किसी भी दिन हमला करके वहां कब्जा कर सकता है. जबकि रूस ने इन बात को खारिज किया है और कहा कि वह नाटो और अमेरिका से चाहता है कि वह रूस की सुरक्षा मांगों को मान लें. इसके अलावा यूक्रेन नाटो में शामिल ना हों और पश्चिमी देश पूर्व की तरफ विस्तार ना करें. अमेरिका और नाटो दोनों ने ही इसे मानने से इनकार कर दिया है.